राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

RNI NO - UPHIN/2022/86937

जौनपुर से प्रकाशित

देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

वर्ष – 04 | अंक – 27 | जौनपुर मंगलवार, 09 सितम्बर 2025 | सान्ध्य दैनिक (संस्करण) | पेज – 4 | मूल्य – 2 रुपये

नौकरियों में निष्पक्ष और पारदर्शी चयन प्रक्रिया नये उत्तर प्रदेश की पहचान : सीएम योगी

लखनऊ, (संवाददाता)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि अब युवाओं को बिना किसी सिफारिश और बिना किसी लेनदेन के नियुक्ति पत्र मिलता है। उन्हें नौकरी के लिए किसी से सिफारिश नहीं करनी पड़ती है। युवा अपनी योग्यता और दक्षता के आधार पर नौकरी पा रहे हैं। ये सब तब हो पाता है जब एक जिम्मेदार सरकार हो। पहले जाति और धर्म देखकर नौकरियां दी जाती थीं। सिफारिश लगानी पड़ती थी और रिश्वत देनी पड़ती थी पर अब नियुक्ति प्रक्रिया समय से पूरी हो रही है। नौकरियों में पारदर्शी और

निष्पक्ष चयन प्रक्रिया नए उत्तर प्रदेश की पहचान है। उन्होंने कहा कि जब भर्ती पारदर्शी और निष्पक्ष तरीके से हो रही है और समय से हो रही है तो मेरी भी आपसे अपेक्षा है। वो ये है कि अपने कार्यस्थल पर किसी के साथ भेदभाव न करें जो कि गरीब, ग्रामीण या जरूरतमंद आता है पूरी प्रतिबद्धता के साथ उसकी समस्या का समाधान करें। मुख्यमंत्री योगी सोमवार को लखनऊ के लोकभवन में 1112 कनिष्ठ सहायक और 22 एक्सरे टेक्नीशियन को नियुक्ति पत्र वितरण के कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि इन दिनों एक भर्ती का प्रकरण चल रहा। एक व्यक्ति आठ–आठ जगह नौकरी कर रहा था। मामले की जांच चल रही है। ऐसे लोग जेल जाएंगे। उन्होंने समाजवादी पार्टी पर निशाना साधते हुए कहा कि यह भर्ती 2016 की है। एक ही परिवार के रिश्ते अब सामने आ रहे हैं।

जीएसटी सुधार से देश और आम आदमी को मिलेगा लाभ – मंत्री पीयूष गोयल

नई दिल्ली, (एजेंसी)। भारत दुनिया की शीर्ष तीन अर्थव्यवस्थाओं में शामिल होने के लिए तैयार है। केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने यह दावा किया है। उन्होंने कहा कि आने वाले दो से ढाई वर्षों में भारत यह उपलब्धि हासिल करने वाला है। गोयल ने एक दशक पहले दुनिया की सबसे कमजोर अर्थव्यवस्थाओं में से एक से लेकर अब शीर्ष पांच में शामिल होने तक के भारत के सफर पर प्रकाश डाला। विज्ञान भवन में इंजीनियरिंग निर्यात संवर्धन परिषद (ईईपीसी) के प्लेटिनम जयंती समारोह में बोलते हुए गोयल ने कहा कि भारत 2014 में दुनिया की पांच सबसे कमजोर अर्थव्यवस्थाओं

में से एक से आगे बढ़कर 2025 में शीर्ष पांच अर्थव्यवस्थाओं में से एक बन गया है। आने वाले दो–ढाई वर्षों में, भारत दुनिया की शीर्ष तीन अर्थव्यवस्थाओं में से एक बन जाएगा। मंत्री ने हालिया आर्थिक प्रदर्शन का जिक्र करते हुए कहा कि पिछली तिमाही में भारत की जीडीपी में 7.8 प्रतिशत की वृद्धि हुई, जिसे उन्होंने एक रिकॉर्ड बताया। उन्होंने यह भी अनुमान लगाया कि 2047 तक भारत 30 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बन जाएगा । गोयल ने नए अवसर पैदा करने के लिए वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) जैसे सुधारों को श्रेय दिया। उन्होंने कहा कि जीएसटी सुधार बहुत व्यापक है। सरलीकरण और दरों में कटौती से देश की अर्थव्यवस्था और भी आगे बढ़ेगी। नए रोजगार के अवसर बढ़ेंगे। लोग ज्यादा खर्च करेंगे। हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि जीएसटी दरों में कटौती का लाभ उपभोक्ताओं तक पहुंचे। ईईपीसी के बारे में बोलते हुए, मंत्री ने देश की विकास गाथा में इंजीनियरिंग निर्यात की भूमिका की ओर इशारा किया। गोयल ने कहा कि 1970 में, ईईपीसी ने 1 करोड़ डॉलर मूल्य का माल निर्यात किया था।

आंगनबाड़ी सेविका और सहायिका का मानदेय बढ़ा सीएम नीतीश कुमार ने घोषणा की

पटना, (एजेंसी)। बिहार की नीतीश कुमार सरकार राज्य विधानसभा चुनाव के पहले सौगातों की झड़ी लगा रही है। अब मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने खुद आगे बढ़कर आंगनबाड़ी सेविका और आंगनबाड़ी सहायिका के मानदेय को बढ़ाने का एलान किया है। सोमवार को मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने बताया कि आंगनबाड़ी सेविका का मानदेय 7 हजार से बढ़ाकर 9 हजार किया जा रहा है। इसी तरह, आंगनबाड़ी सहायिका का मानदेय 4 हजार से बढ़ाकर साढ़े 4 हजार किया जा रहा है। उनके निर्देश पर विभाग इसका प्रस्ताव आगे बढ़ाएगा। मंगलवार को कैबिनेट में उस प्रस्ताव पर मुहर लग जाएगी। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने सोमवार को सोशल मीडिया पर कहा कि नवंबर 2005 में सरकार बनने के बाद से ही गर्भवती महिलाओं और बच्चों के पोषण और स्वास्थ्य को बेहतर बनाने के लिए बड़े पैमाने पर काम किया जा रहा है। इसके लिए समेकित बाल विकास परियोजना के तहत छह तरह की सेवाएं दी जा रही हैं, जो आंगनबाड़ी केंद्रों के माध्यम से लाभुकों तक पहुंचाई जाती हैं। इसमें आंगनबाड़ी सेविकाएं और सहायिकाएं अहम भूमिका निभाती हैं। उन्होंने बताया कि इनके योगदान को देखते हुए मानदेय राशि बढ़ाने का निर्णय लिया गया है। इससे सभी सेविकाओं और सहायिकाओं का उत्साह बढ़ेगा और समेकित बाल विकास सेवाएं और बेहतर तरीके से चल सकेंगी। अब आंगनबाड़ी सेविका को 7,000 रुपये की जगह 9,000 रुपये और आंगनबाड़ी सहायिका को 4,000 रुपये की जगह 4,500 रुपये मानदेय मिलेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह फैसला बच्चों और गर्भवती महिलाओं के पोषण और जीवन स्तर सुधारने में मदद करेगा।

उपराष्ट्रपति चुनाव से पहले बीआरएस-बीजेडी का बड़ा एलान

नई दिल्ली, (एजेंसी)। कल देश के नए उपराष्ट्रपति के नाम का एलान हो जाएगा। इस बार उपराष्ट्रपति चुनाव में एनडीए प्रत्याशी सी. पी. राधाकृष्णन और विपक्ष के बी सुदर्शन रेड्डी के बीच सीधा मुकाबला है। इस बीच, दो राजनैतिक दलों ने कल होने वाले उपराष्ट्रपति चुनाव से दूर रहने का एलान किया है। इन दलों में बीआरएस और बीजू जनता दल शामिल हैं। बता दें कि जगदीप धनखड़ के अचानक स्वास्थ्य कारणों का हवाला देते हुए 21 जुलाई को इस्तीफा दे दिया था, जिस कारण रिक्त हुए उपराष्ट्रपति पद के लिए मध्यावधि चुनाव कराया जा रहा है। अब कल यानी नौ सितंबर को यह प्रक्रिया पूरी कर ली जाएगी। उपराष्ट्रपति पद के चुनाव से ठीक

एक दिन पहले बीआरएस और बीजू जनता दल ने चौंकाने वाला एलान किया है। बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष के टी रामा राव ने कहा कि उनकी पार्टी उपराष्ट्रपति चुनाव से दूर रहेगी। इसी तरह बीजद ने भी ऐसी ही घोषणा की है। बीजद के नेता सस्मित पात्रा ने कहा कि बीजू जनता दल मंगलवार को होने वाले उपराष्ट्रपति चुनाव से दूर रहेगा। उपराष्ट्रपति चुनाव की तैयारियों के बीच सत्तारूढ़ एनडीए और विपक्ष के इंडिया गठबंधन दोनों के बीच कड़ी टक्कर चल रही है। यह एनडीए और इंडिया गठबंधन के बीच एक तरह से शक्ति प्रदर्शन माना जा रहा है। बीजद और बीआरएस के चुनाव से हटने के बाद भी अभी तक अकाली दल, जेडपीएम और वीओटीटीपी के एक–एक सांसद और तीन निर्दलीय सांसदों ने अभी तक अपनी पसंद का स्पष्ट संकेत नहीं दिया है। उपराष्ट्रपति चुनाव को लेकर संसद में सांसदों की संख्या को देखें तो एनडीए के उम्मीदवार और महाराष्ट्र के राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन को बहुमत मिलने के स्पष्ट संकेत हैं। वर्तमान में मतदाताओं की संख्या 781 है और सात सीटें रिक्त हैं, जिनमें शिबू सोरेन का नाम भी शामिल है, जिनका मतदाता सूची तैयार होने के बाद निधन हो गया था। इस बार उपराष्ट्रपति चुनाव में भाजपा के वरिष्ठ नेता सीपी राधाकृष्णन और सुप्रीम कोर्ट के पूर्व न्यायाधीश बी सुदर्शन रेड्डी के बीच सीधा मुकाबला है।

ग्रेट निकोबार द्वीप परियोजना एक दुस्साहस किसानों के दर्द का मजाक उड़ाने पर भाजपा हमलावर : राहुल गांधी

नई दिल्ली, (एजेंसी)। कांग्रेस नेता और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने सोमवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी का एक लेख साझा किया। इस लेख के जरिए उन्होंने ग्रेट निकोबार आइलैंड प्रोजेक्ट को लेकर गंभीर चिंताएं जताईं और इसे स्थानीय आदिवासियों व पर्यावरण के लिए खतरा बताया। राहुल गांधी ने लिखा, श्ग्रेट निकोबार आइलैंड प्रोजेक्ट एक गलत कदम है, जो आदिवासी अधिकारों को कुचलता है और कानूनी प्रक्रियाओं की अनदेखी करता है। सोनिया गांधी ने एक समाचार पत्र में लिखे अपने संपादकीय में कहा कि यह प्रोजेक्ट दुनिया के सबसे संवेदनशील और अनोखे पारिस्थितिकी तंत्र को खतरे में डाल देगा और यहां की आदिवासी जनजातियों के अस्तित्व के लिए गंभीर चुनौती बनेगा। उन्होंने 72,000 करोड़ रुपये की इस परियोजना को पूरी तरह गलत खर्च बताते हुए कहा कि 2004 की सुनामी के समय जिन निकोबारी आदिवासियों को अस्थायी रूप से गांव छोड़ने पड़े थे, अब यह प्रोजेक्ट उन्हें हमेशा के लिए विस्थापित कर देगा। सोनिया गांधी ने विशेष रूप से शोमपेन जनजाति का जिक्र करते हुए कहा कि यह प्रोजेक्ट उनके लिए और भी खतरनाक है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार ने बड़े पैमाने

पर विकास के लिए बनाए गए कानूनों और जनजातीय अधिकारों की रक्षा करने वाली संवैधानिक संस्थाओं की अनदेखी की है। दूसरी ओर, भाजपा नेता अमित मालवीय ने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे पर किसानों का अपमान करने का आरोप लगाया। उन्होंने सोशल मीडिया पर एक वीडियो साझा करते हुए लिखा, श्अगली बार जब राहुल गांधी या कांग्रेस किसानों की बात करें, तो उन्हें यह वीडियो जरूर याद दिलाएं। उनके अपने अध्यक्ष ने किसानों के दर्द का मजाक उड़ाते हुए कहते हैं कि हमेशा रोते और पब्लिसिटी मत लो।श अमित मालवीय ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने किसानों की आय दोगुनी करने और आधुनिक खेती तकनीकों को अपनाने में मदद की, जबकि कांग्रेस ने सिर्फ किसानों को निराश किया। इस मामले में भाजपा सांसद रविशंकर प्रसाद ने कहा, श्एक गरीब किसान, जिसकी फसल बाढ़ और बारिश में बर्बाद हो गई थी, अपना दर्द साझा करने गया था। लेकिन कांग्रेस पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा, श्आप यहां क्यों आए हैं? आप दिखावा क्यों कर रहे हैं?... आपकी चार एकड़ जमीन बर्बाद हो गई है, लेकिन मेरी 40 एकड़ जमीन बर्बाद हो गई है.।

लालू से मुलाकात पर रविशंकर प्रसाद का सुदर्शन रेड्डी पर हमला

नई दिल्ली, (एजेंसी)। भाजपा सांसद रविशंकर प्रसाद ने सोमवार को इंडिया ब्लॉक के उम्मीदवार और सुप्रीम कोर्ट के पूर्व न्यायाधीश बी. सुदर्शन रेड्डी द्वारा चारा घोटाले के दोषी लालू प्रसाद से मुलाकात की कड़ी निंदा की। नई दिल्ली में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में बोलते हुए, भाजपा सांसद ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट के सेवानिवृत्त न्यायाधीश सुदर्शन रेड्डी उपराष्ट्रपति पद के लिए विपक्ष के उम्मीदवार हैं। हम आज भी न्यायाधीशों का बहुत सम्मान करते हैं, चाहे वे वर्तमान में कार्यरत हों या सेवानिवृत्त। लेकिन जब कोई न्यायाधीश चुनाव में खड़ा होकर कुछ बड़ी बातें कहता है, तो सवाल जरूर उठेंगे। रेड्डी के एक अखबार के लेख की ओर इशारा करते हुए, जिसमें उन्होंने कहा था, ष्देश की आत्मा बचाने के लिए मुझे वोट देंरू विपक्षी उपराष्ट्रपति पद के उम्मीदवारष, प्रसाद ने कहा कि रेड्डी ने इस लेख में देश को बचाने के लिए कई बड़ी बातें कही हैं। उन्होंने आगे कहा, ष्उन्होंने लोकतंत्र के मंदिर और ष्अंतरात्माष की बात की। सुदर्शन रेड्डी ने बयान दिया है कि देश की आत्मा बचाने के लिए मुझे वोट दें।ष लालू प्रसाद से मुलाकात के लिए रेड्डी पर निशाना साधते हुए उन्होंने पूछा, ष्आप सुप्रीम कोर्ट के किस तरह के सेवानिवृत्त न्यायाधीश हैं कि आप किसी ऐसे व्यक्ति से मिल रहे हैं जो घोटाले का दोषी है?

निर्वाचन आयोग 'वोट चोरी के लिए भाजपा का बैक–ऑफिस' बन गया है – खरगे

नई दिल्ली, (एजेंसी)। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने रविवार को भारत निर्वाचन आयोग (ईसीआई) की भूमिका पर सवाल उठाते हुए आरोप लगाया कि यह (आयोग) "वोट चोरी के लिए भाजपा का बैक–ऑफिस" बन गया है। खरगे ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, "कालक्रम को समझें। मई 2023 के कर्नाटक चुनाव से पहले, कांग्रेस ने अलंद निर्वाचन क्षेत्र में बड़े पैमाने पर मतदाताओं के नाम हटाने का खुलासा किया था। प्रपत्र संख्या–सात में फर्जीवाड़ा कर हजारों मतदाताओं के मताधिकार छीन लिये गये।" उन्होंने कहा, "फरवरी 2023 में एक मामला दर्ज किया गया। जांच में 5,994 जाली आवेदनों का खुलासा हुआ। यह मतदाता धोखाधड़ी के बड़े पैमाने पर प्रयास का एक स्पष्ट प्रमाण है। इसके बाद कांग्रेस सरकार ने दोषियों को पकड़ने के लिए सीआईडी घ्ध्जांच का आदेश दिया।" खरगे ने कहा, "लेकिन यहां पेंच यह है कि जहां निर्वाचन आयोग ने पहले जालसाजी का पता लगाने के लिए आवश्यक दस्तावेजों का कुछ हिस्सा साझा किया था तो वहीं अब उसने महत्वपूर्ण जानकारी को छुपा लिया है और (आयोग) वोट चोरी के पीछे के लोगों को प्रभावी ढंग से बचा रहा है!" उन्होंने पूछा, "निर्वाचन आयोग ने अचानक महत्वपूर्ण सबूतों को क्यों रोक दिया है? यह किसे बचा रहा है?

नीतीश-मोदी सरकार पर तेजस्वी का वार 20 साल में बिहार बना बेरोजगारी-पलायन का गढ़

बिहार, (एजेंसी)। बिहार विधानसभा चुनाव नजदीक आते ही, राज्य के पूर्व उपमंत्री और पूर्व राजद विधायक तेजस्वी यादव ने सोमवार को दावा किया कि एनडीए सरकार ने बिहार को बेरोजगारी, पलायन और गरीबी का केंद्र बना दिया है। ग पर एक पोस्ट में, तेजस्वी यादव ने कहा कि बिहार में 20 साल और केंद्र में 11 साल से नीतीश–मोदी सरकार के सत्ता में रहने के बावजूद, एनडीए सरकार ने बिहार को बेरोजगारी, पलायन और गरीबी का मुख्य केंद्र बना दिया है। यह मेरा दावा नहीं है, बल्कि भारत सरकार की नीति आयोग की रिपोर्टें साल–दर–साल यही कहती आ रही हैं। उन्होंने आगे कहा कि पिछले 20 वर्षों में बिहार की प्रति व्यक्ति आय दुनिया के सबसे गरीब अफ्रीकी देशों,

युगांडा और रवांडा से भी कम रही है। राष्ट्रीय जनता दल के अध्यक्ष लालू प्रसाद यादव के बेटे ने अपने पोस्ट के माध्यम से नीतीश कुमार और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से सवाल पूछते हुए कहा कि बिहार बेरोजगारी का मुख्य केंद्र क्यों है? और पिछले 20 वर्षों में बिहार से कितना पलायन हुआ है, और बिहार में पलायन अभूतपूर्व दर से क्यों बढ़ रहा है? इसके अलावा, तेजस्वी यादव ने पूछा कि सरकार ने 20 सालों में राज्य में क्षेत्र–विशिष्ट क्लस्टर क्यों नहीं बनाए। उन्होंने यह भी पूछा कि राज्य में कितनी मिलें, कुल कितने उद्योग और कारखाने बंद हुए हैं। इसके अलावा, उन्होंने पिछले 20 सालों में परीक्षा और भर्ती प्रक्रियाओं की पारदर्शिता पर भी सरकार से सवाल किया। इससे पहले, तेजस्वी यादव ने रविवार को बिहार की एनडीए सरकार पर निशाना साधते हुए कहा था कि बिहार की जनता पूछेगी कि क्या प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी गुजरात में कथित तौर पर ष्कारखाने लगाकरष बिहार में ष्जीतष हासिल कर सकते हैं। उन्होंने राज्य में विकास की कमी को लेकर एनडीए सरकार की भी आलोचना की। पत्रकारों से बात करते हुए तेजस्वी यादव ने कहा, ष्अपराध और भ्रष्टाचार बढ़ गया है। बिहार की यही स्थिति है। शिक्षा, सिंचाई और स्वास्थ्य सेवा की हालत देखिए। प्रति व्यक्ति आय और प्रति व्यक्ति निवेश के मामले में बिहार सबसे खराब है।

संक्षिप्त खबरें

आधार मतदाता सूची के लिए वैध पहचान पत्र, पर नागरिकता के लिए नहीं

नई दिल्ली, (एजेंसी)। बिहार मतदाता सूची गहन पुनरीक्षण मामले में सुप्रीम कोर्ट ने साफ कर दिया है कि आधार, मतदाता सूची के लिए वैध पहचान पत्र है, लेकिन इसे नागरिकता का सबूत नहीं माना जा सकता। सोमवार को बिहार मतदाता सूची गहन पुनरीक्षण मामले पर सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने चुनाव आयोग को निर्देश दिया कि वे आधार कार्ड को 12वां दस्तावेज मानें ताकि मतदाता वोटर लिस्ट में नाम शामिल कराने के लिए आधार कार्ड को भी पेश कर सकें। चुनाव आयोग पहले ही 11 दस्तावेजों की सूची जारी कर चुका है, जिन्हें दिखाकर मतदाता, वोटर लिस्ट में अपना नाम शामिल कर सकते हैं। पहले इन दस्तावेजों में आधार कार्ड शामिल नहीं था, लेकिन अब सुप्रीम कोर्ट ने आधार कार्ड को बतौर 12वां दस्तावेज मानने का आदेश दिया है। शीर्ष अदालत ने चुनाव आयोग से अपने सभी अधिकारियों को निर्देश जारी करने को भी कहा है ताकि आधार कार्ड को स्वीकार किया जा सके। हालांकि सुप्रीम कोर्ट ने साफ कर दिया कि आधार कार्ड को नागरिकता का सबूत नहीं माना जा सकता। चुनाव आयोग को बड़ी राहत देते हुए सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि चुनाव आयोग को आधार कार्ड की वैधता जांचने का पूरा अधिकार होगा। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि श्केवल वास्तविक नागरिकों को ही वोट देने की अनुमति होगी, जाली दस्तावेजों के आधार पर असली होने का दावा करने वालों को मतदाता सूची से बाहर रखा जाए।

रेत तस्करी रैकेट के खिलाफ ईडी की बड़ी कार्रवाई

कोलकाता, (एजेंसी)। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने सोमवार को कोलकाता सहित पश्चिम बंगाल में 20 से ज्यादा जगहों पर सिलसिलेवार छापेमारी की। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि रेत तस्करी रैकेट में कथित रूप से शामिल लोगों और उनके व्यवसायों पर छापेमारी की गई। ईडी द्वारा रेत तस्करी घोटाले के सिलसिले में बेहाला, रीजेंट पार्क, बिधाननगर और कल्याणी समेत कई इलाकों में छापेमारी की जा रही है। छापेमारी कर रहे ईडी अधिकारियों के साथ बड़ी संख्या में केंद्रीय सुरक्षा बल के जवान भी मौजूद रहे। इस छापेमारी कार्रवाई के केंद्र में पश्चिम बंगाल के झारग्राम का कुख्यात रेत तस्कर शेख जहीरुल रहा। ईडी के अधिकारियों ने झारग्राम के गोपीबल्लवपुर में सुवर्णरेखा नदी के पास स्थित शेख जहीरुल के आवास की तलाशी ली। एक अधिकारी ने बताया कि, श्जहीरुल के आवास, कार्यालय और वाहनों की तलाशी ली जा रही है। जहीरुल पर अवैध रेत खनन और इसके व्यापार में शामिल होने का आरोप है।श ईडी ने शेख जहीरुल के ठिकाने से भारी मात्रा में नकदी जब्त की गई है। शेख जहीरुल कई रेत खदानों के मालिक हैं।

संपादकीय

शांति की ओर मणिपुर

निस्संदेह, पिछले दो वर्ष से अधिक समय से हिंसाग्रस्त मणिपुर का संकट लाइलाज–सा नजर आता रहा है। अब केंद्र सरकार और राज्य के दो प्रमुख कुकी–जो समूहों के बीच बीते गुरुवार को हस्ताक्षरित ऑपरेशन निलंबन समझौते से अशांत मणिपुर में शांति बहाली तथा सामान्य स्थिति बनाये रखने के प्रयासों को बल मिलने की उम्मीद जगी है। उम्मीद है कि इस प्रयास से राज्य की क्षेत्रीय अखंडता सुनिश्चित की जा सकेगी। समझौते के बाद निर्दिष्ट शिविरों को संवेदनशील क्षेत्रों से स्थानांतरित करने और राज्य में दीर्घकालिक शांति तथा स्थिरता सुनिश्चित करने की दिशा में भी सहमति बनी है। वहीं यह घटनाक्रम इस कारण से भी महत्वपूर्ण हो जाता है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अगले सप्ताह इस पूर्वोत्तर राज्य का दौरा कर सकते हैं। विपक्ष लंबे समय से मांग करता रहा है कि प्रधानमंत्री मणिपुर क्यों नहीं जाते। मई, 2023 में मैतेई और कूकी समुदाय के बीच जातीय हिंसा भड़कने के बाद प्रधानमंत्री की इस संवेदनशील राज्य की यह पहली यात्रा होगी। विगत में विपक्ष लगातार आरोप लगाता रहा है कि केंद्र ने मणिपुर को उसके हाल पर छोड़ दिया। विपक्ष ने राज्य में डबल इंजन सरकार के दौरान कुशासन का आरोप भी लगातार लगाया है। उनका यह भी आरोप रहा है कि सत्तारूढ़ भाजपा ने राज्य की स्थिति के नियंत्रण में अपनी विफलता के बावजूद एन बीरेन सिंह को मुख्यमंत्री के पद पर बनाये रखा था। इससे बढ़कर यह भी कि मुख्यमंत्री के पद पर रहते हुए उन पर तटस्थता न दिखाने और हिंसा के प्रति संवेदनहीन बने रहने के आरोप भी लगाए गए। कालांतर विपक्ष के दबाव के बीच उन्होंने अपने पद से इस्तीफा दे दिया था। तब से लेकर अब तक राज्य राष्ट्रपति शासन के तहत संचालित है। वहीं हाल के महीनों में अपेक्षाकृत शांति का एक मुख्य कारण यह भी है कि कई आतंकवादियों ने राज्य के अधिकारियों की अपील के जवाब में लूटे गए हथियार कानून प्रवर्तन एजेंसियों को लौटाए हैं। निश्चित रूप से हाल ही में हुआ समझौता लंबे समय से अशांत चल रहे मणिपुर के हित में एक स्वागत योग्य कदम ही कहा जाएगा। इसके बावजूद कुछ पेचीदा मुद्दे अभी भी सुलझाने बाकी हैं। इस मुहिम में विभिन्न हितध ारकों को शामिल करने की जरूरत है। राज्य में एक प्रभावशाली नागरिक समाज समूह, कुकी–जो काउंसिल ने स्पष्ट किया है कि वह मैतेई और कुकी–जो क्षेत्रों के बीच बफर जोन में अप्रतिबंधित या मुक्त आवाजाही के पक्ष में नहीं। यह भी कि मणिपुर के नागाओं के शीर्ष निकाय ने मुक्त आवागमन व्यवस्था को समाप्त करने और भारत–म्यांमार सीमा पर बाड़ लगाने का विरोध किया है। इसके अलावा विरोध में राज्य में समुदाय वाले सभी क्षेत्रों में व्यापार प्रतिबंध लागू करने की चेतावनी भी दी है। उल्लेखनीय है कि राज्य में जातीय संघर्ष की मूल वजह बहुसंख्यक मैतेई समुदाय की अनुसूचित जनजाति का दर्जा हासिल करने की मांग रही है। इस मांग पर उपजे टकराव को दूर करने तथा कुकी और नागाओं का विश्वास फिर से हासिल करने के प्रयास प्राथमिकता के आधार पर किए जाने की जरूरत है। निश्चय ही, सामान्य स्थिति की ओर बढ़ने के लिये मोदी सरकार को अब समय नहीं गवांना चाहिए।

देशों की सीमाओं से अलग राह बनाकर बहता पानी

गोविन्द

दशकों सिंधु जल संधि कायम रही, क्योंकि इसमें पंजाब की नदियों का जल बरतने के नियम थे। पहलगाम नरसंहार के बाद भारत ने संधि स्थगित कर चिनाब से पाकिस्तान को पानी बंद कर दिया। अब ज्यादा बारिश से बांधों का जलस्तर इतना बढ़ा कि नदियों में पानी छोड़ा गया। पंजाब बाढ़ग्रस्त हो गया व सीमा पार क्षेत्र भी। एक कवि के शब्द है रू 'पानी, हर तरफ पानी।' सुल्तानपुर लोधी के मंड इलाके की हालत देखते ही यह पंक्ति आपके दिमाग में वाकई गूंजने लगती है, जहां ब्यास नदी ने से चला आ रहा है और आज भी पाकिस्तान में उस नदी का नाम है जिसमें अविभाजित पंजाब की सभी पांचों नदियां – झेलम, चिनाब, सतलुज, व्यास और रावी–अरब सागर में समाने से पहले, मिलकर एक विशाल नदी का रूप धर लेती हैं। गौर कीजिए कि प्रकृति को किस कदर मानव–निर्मित क्षुद्र विभाजनों से घृणा है, चाहे वह 1947 के दौरान या उसके बाद हाल ही में अप्रैल 2025 में, जब पहलगाम नरसंहार की भयावहता के बाद, गुस्साए भारत ने 1960 में हुई सिंधु जल संधि को स्थगित कर दिया। दो युद्धों और

अपने किनारों को तोड़कर धान की फसल को पानी में डुबो दिया है। यह कहानी दो फसल चक्र वाली खेती के आधे हिस्से के नुकसान और तबाही की है, 'द ट्रिब्यून' इस पर भी नजर रखे हुए है। पिछले कुछ हफ्तों में पंजाब की नदियों का जलस्तर बढ़ते देखना इतिहास और भूगोल दोनों के लिए एक सबक रहा है। हम जानते हैं कि श्पंजाबश शब्द फारसी के शब्दों, पंज और आब के संगम से बना है, जिसका अर्थ है 'पांच पानियों की भूमि'। इसका श्रेय टैंजियर्स से आए यात्री इब्न बतूता को दिया जाता है, जिनके बारे में माना जाता है कि उन्होंने 14वीं शताब्दी में इस क्षेत्र का भ्रमण किया था। लेकिन विडंबना है कि बतूता से पहले, पंजाब को पंचनद के नाम से जाना जाता था, जो संस्कृत का एक शब्द है। जिसका अर्थ है 'पांच नदियों की भूमि' – यह शब्द महाभारत के समय एक सीमित संघर्ष के बावजूद, यह संधि कायम रही, क्योंकि इसमें पंजाब की नदियों का जल बरतने संबंधी नियम थे। ऑपरेशन सिंदूर की पूर्व संध्या पर, भारत ने जम्मू में चिनाब नदी पर बने बगलिहार बांध के निकास द्वार बंद कर दिए और घोषणा की कि पहलगाम के प्रतिशोध में पाकिस्तान को 'पानी की एक बूंद तक' नहीं देंगे। कई दशकों में पहली बार, जम्मू में चिनाब की तलहटी सूखी दिखी। पाकिस्तानी अधिकारियों ने अपनी फसलों और आबादी के लिए सबसे बुरे डर को लेकर घबराहट भरी प्रतिक्रिया व्यक्त की। तीन माह बाद, भू–राजनीति का स्वरूप बदलने की बारी भूगोल की आई। जब हिमाचल प्रदेश और पंजाब में दशकों में सबसे ज्यादा बारिश के साथ, भाखड़ा, रणजीत सागर और पौंग बांधों के जलाशयों का जलस्तर ऐन ऊपरी किनारे तक जा पहुंचा, जिससे अधिकारियों को बांधों को सुरक्षित रखने के लिए पंजाब की तीन पूर्वी नदियों में पानी छोड़ना पड़ा। लेकिन अब सीमा के दोनों ओर सवाल उठ रहे हैं– मसलन, क्या अधिकारियों को इन उत्तर भारतीय बांधों से पानी छोड़ना नहीं चाहिए था, जिससे सीमा के दोनों ओर बाढ़ आ गई? अजनाला, कपूरथला, सुल्तानपुर लोधी, फिरोजपुर, करतारपुर साहिब। पंजाब के जिन कस्बों की सूची जो इन दिनों तैरती हुई लगती है, उस पर 'भीगता पंजाब' जैसे मीम्स बन रहे हैं। फिरोजपुर इलाके में बाढ़ इतनी भारी है कि इसने रेडक्लिफ रेखा पर बने निशानदेही चिह्न मिटा दिये हैं। भारत और पाकिस्तान के बीच सीमा बाड़ के कुछ हिस्से जलमग्न हैं। मानो भूगोल इतिहास से अपना बदला ले रहा हो। इस बीच, गुस्से की जगह सामान्य समझदारी ने ली है। भारत ने भले ही सिंधु जल संधि को निलंबित कर रखा है, लेकिन वह इस्लामाबाद स्थित अपने उच्चायोग के जरिये पाकिस्तान को छोड़े गए पानी के आंकड़े मुहैया करवा रहा है। ऐसा इसलिए है क्योंकि भारत एक ऊपरी रिपेरियन देश होने के नाते अपनी जिम्मेदारी समझता है। जो भी है, जम्मू–कश्मीर में चिनाब और झेलम में इतना पानी बहता है, खासकर मानसून में, सालाना 136.2 मिलियन एकड़ फीट तक, जिससे कि रन–ऑफ–द–रिवर बगलिहार और किशनगंगा बांधों के पास और कोई विकल्प नहीं है सिवाय पानी को पाकिस्तान में बहने देने के। यही कारण है कि सिंधु नदी संधि को निलंबित या स्थगित रखने का जमीनी स्तर पर कोई खास मतलब नहीं – पानी, अपनी प्रकृति अनुसार पहाड़ों से समुद्र की ओर बहेगा। हिमालय से अरब सागर की ओर। पानी के लिए नक्शे, संधियां और समझौते मायने नहीं रखते। यह अपना रास्ता निकाल ही लेता है। हालांकि, बांध जल संचयन, अधिकारों और जिम्मेदारियों को लेकर बने सवालों ने खुद को बृहद परिदृश्य में शामिल कर लिया है। उधमपुर के सांसद और प्रभावशाली कनिष्ठ केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने भारत द्वारा पश्चिमी नदियों (चिनाब, झेलम) पर अपने बांधों से गाद न निकाल पाने के पीछे सिंधु जल संधि को दोषी ठहराया है। लेकिन जब सिंधु जल संधि को ध्यान से पढ़ें दृ तो यह संधि केवल मानसून के दौरान ही गाद निकालने पर रोक लगाती हैय भारत शेष अन्य समय में कभी भी गाद निकालने के लिए स्वतंत्र है। इसके अलावा, सिंध ु जल संधि पूर्वी नदियों (सतलुज, रावी और ब्यास) पर बने बांधों की गाद निकालने के बारे में खामोश है, और जैसा कि मेरे सहयोगी ललित मोहन ने रोपड़ से द ट्रिब्यून के समाचार पृष्ठ पर बताया है, दशकों से गाद जमा होने के कारण भाखड़ा नंगल बांध की जल संचयन क्षमता 19 प्रतिशत कम हो गई है। वास्तव में, बड़ी खबर यह है कि 1963 में बनने के बाद से भाखड़ा बांध की गाद कभी निकाली ही नहीं गई। और अगर यह बात सतलुज नदी पर बने भाखड़ा नंगल के बारे में सच है, तो क्या यह क्रमशः ब्यास और रावी नदियों पर बने पौंग और रणजीत सागर बांधों के बारे में भी सच है? और यदि यह तीनों के लिए सच है, तो क्या इसका अर्थ यह निकाला जाए कि बांध अधिकारियों को इस मानसून में बांधों से इसलिए पानी छोड़ना पड़ा दृजिसकी वजह से पंजाब में बाढ़ आई दृक्योंकि वे बांधों की संरचना को इस वजह से बने खतरे को लेकर भी चिंतित थे? आइए, एक निषिद्ध प्रश्न पूछें रू अगर इन बांधों से इन तमाम वर्षों में निरंतर गाद निकाली जाती, तो क्या वे ज़्यादा पानी संगृहीत रख पाते, खासकर इस बार के मानसून जैसी असाधारण बारिश के समय? यानी, तब क्या पंजाब के असाधारण रूप से जुझारू ग्रामीण खतरे से सुरक्षित रहते? शायद अब समय आ गया है कि प्रकृ ति के साथ कोमलता से पेश आने के लिए, लोक हितों को आगे और केंद्र में और राजनीति से इतर रखा जाए।

शक्ति व आशा जगाता एक सच्चाई का संगीत

गोपाल

भूपेन हजारिका का जीवन हमें समानानुभूति, लोगों की बात सुनने और जमीन से जुड़े रहने की शक्ति सिखाता है। उनके गीत आज भी युवा और वृद्ध सभी के द्वारा समान रूप से गाए जाते हैं। उनका संगीत हमें करुणामय और साहसी बनना सिखाता है। भारतीय संस्कृति और संगीत के प्रति जुनून रखने वाले सभी लोगों के लिए आज, 8 सितंबर का दिन बेहद खघस है। असम के मेरे भाइयों और बहनों के लिए यह दिन और भी खघस है। आखघ्रिकार, भारत की अब तक की सबसे अद्‌भुत आवाजों में शुमार रहे डॉ. भूपेन हजारिका की आज जयंती है। इस वर्ष उनके जन्म शताब्दी समारोह की शुरुआत हो रही है। यह भारतीय कलात्मक अभिव्यक्ति और जनचेतना में उनके अमूल्य योगदान को याद करने का अवसर है। भूपेन दा ने हमें जो दिया, वह संगीत से कहीं बढ़कर है। उनकी रचनाओं में भावनाएं समाहित थीं, जो राग से परे थीं। वह महज एक आवाज से बढ़कर, लोगों के दिलों की धड़कन थे। कई पीढ़ियां उनके गीतों को सुनकर बड़ी हुई हैं, जिनके हर शब्द में दया, सामाजिक न्याय, एकता और गहराई से जुड़े अपनत्व के भाव गुंजायमान होते हैं। असम से एक ऐसी आवाज उभरी, जो अपने साथ मानवता की भावना लेकर एक कालातीत नदी की तरह बहते हुए, सीमाओं और संस्कृतियों को पार करती गई। भूपेन दा ने दुनिया भर की यात्रा की, समाज के सभी वर्गों के दिग्गजों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर काम किया, लेकिन वे असम में अपनी जड़ों से गहराई से जुड़े रहे। उनके बचपन को असम की समृद्ध मौखिक परंपराओं, लोक धुनों और कहानी सुनाने की सामुदायिक प्रथाओं ने गहराई से आकार दिया। इन अनुभवों ने उनकी कलात्मक शब्दावली की बुनियाद रखी। वे असम की मौलिक पहचान और उसके लोगों के लोकाचार की भावना को हमेशा साथ लेकर चले। भूपेन दा की प्रतिभा बहुत कम आयु में ही सामने आ गई थी। मात्र पांच साल की आयु में, उन्होंने एक सार्वजनिक कार्यक्रम में गायन किया और तत्काल असमिया साहित्य की अग्रणी हस्ती लक्ष्मीनाथ बेजबरुआ का ध्यान अपनी ओर आकर्षित कर लिया। किशोरावस्था में ही उन्होंने अपना पहला गीत रिकॉर्ड कर लिया था, लेकिन संगीत उनके व्यक्तित्व का केवल एक हिस्सा था। भूपेन दा हृदय से उतने ही बुद्धिजीवी... जिज्ञासु, स्पष्टवक्ता और दुनिया को समझने की अदम्य इच्छा से प्रेरित थे। ज्योति प्रसाद अग्रवाल और बिष्णु प्रसाद राभा जैसी सांस्कृतिक विभूतियों ने उनके मन पर गहरी छाप छोड़ी और उनकी जिज्ञासु प्रवृत्ति को भी गहन बनाया। सीखने की यही इच्छा थी जिसने उन्हें बनारस हिंदू विश्वविद्यालय के कॉटन कॉलेज में उत्कृष्ट बनाया और उन्हें अमेरिका ले गई, जहां वह उस समय के प्रमुख शिक्षाविदों, विचारकों और संगीतकारों के संपर्क में आए। उनकी मुलाकात महान कलाकार और सिविल राइट्स लीडर पॉल रॉबसन से हुई। रोबसन का गीत 'ओल मैन रिवर' भूपेन दा की प्रतिष्ठित रचना 'बिस्तिर्नो पारोरे' के लिए प्रेरणा बन गया। अमेरिका की बेहद सम्मानित पूर्व प्रथम महिला एलेनोर रूजवेल्ट ने भारतीय लोक संगीत की उनकी प्रस्तुति के लिए उन्हें स्वर्ण पदक से सम्मानित किया। भूपेन दा के पास अमेरिका में ही रहने का विकल्प था, लेकिन वे भारत लौट आए और पूरी तरह संगीत में रम गए। रेडियो से लेकर रंगमंच तक, फिल्मों से लेकर शैक्षिक वृत्तचित्रों तक, वे हर माध्यम में पारंगत थे। वे जहां भी गए, उन्होंने युवा प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने पर जोर दिया। उनकी रचनाओं में गीतात्मकता के साथ ही सामाजिक संदेश भी थे, जिनमें गरीबों के लिए न्याय, ग्रामीण विकास, आम नागरिकों की शक्ति आदि ।

.... विविध ....

बहुत बड़ी सफलता कैंसर से नहीं जाएगी जान, वैक्सीन हुई तैयार, रूस में मिलेगी मरीजों को तिमम

कैंसर एक गंभीर बीमारी है जो दुनियाभर में लाखों लोगों की जान लेती है। इसके इलाज को लेकर कई सालों से रिसर्च जारी है। अब रूस से एक बड़ी और उम्मीद भरी खबर सामने आई है। रूसी वैज्ञानिकों ने दावा किया है कि उन्होंने एक ऐसी वैक्सीन विकसित की है जो कैंसर से लड़ने में असरदार साबित हुई है।

रूस की संघीय मेडिकल एजेंसी का दावा

यह वैक्सीन रूस की संघीय मेडिकल एंड बायोलॉजिकल एजेंसी द्वारा विकसित की गई है। एजेंसी की प्रमुख वेरोनिका स्क्वोर्तसोवा ने रूसी मीडिया को जानकारी देते हुए बताया कि यह वैक्सीन अब नैदानिक (क्लिनिकल) उपयोग के लिए तैयार है। यह वैक्सीन RNA तकनीक पर आधारित है, जो शरीर की इम्यून सिस्टम को कैंसर सेल्स के खिलाफ सक्रिय करती है।

सभी मरीजों को मिलेगी मुफ्त वैक्सीन

सबसे बड़ी और राहत भरी बात यह है कि यह वैक्सीन रूस में सभी कैंसर मरीजों को फ्री में उपलब्ध कराई जाएगी। रूस सरकार ने इसे सार्वजनिक स्वास्थ्य सेवा के तहत शामिल करने की घोषणा की है, ताकि जरूरतमंद मरीजों को बिना आर्थिक बोझ के इलाज मिल सके।

परीक्षण में मिली सफलता

प्रमुख के अनुसार, पिछले तीन वर्षों से इस वैक्सीन पर शोध चल रहा था। अब तक हुए प्रीक्लिनिकल परीक्षणों में इस वैक्सीन ने सुरक्षा और प्रभावशीलता दोनों स्तरों पर बेहतर प्रदर्शन किया है। परीक्षणों के दौरान यह पाया गया कि वैक्सीन ने ट्यूमर को छोटा करने और उसकी वृद्धि को रोकने में उल्लेखनीय सफलता पाई।

ट्यूमर को 60–80ः तक कम किया

रिसर्च के अनुसार, वैक्सीन ने कैंसर ट्यूमर के आकार को 60 से 80 प्रतिशत तक कम किया है। इसके अलावा यह देखा गया कि वैक्सीन को बार–बार देने पर भी किसी प्रकार का नुकसान नहीं हुआ, जिससे इसे सुरक्षित माना जा रहा है। इस आधार पर इसे क्लिनिकल उपयोग के लिए उपयुक्त समझा गया है।

क्या ये वैक्सीन सभी प्रकार के कैंसर में कारगर है?

अभी शुरुआती रिपोर्ट्स के मुताबिक यह वैक्सीन कुछ खास प्रकार के कैंसर, जैसे कि मेलानोमा और ब्रेन ट्यूमर, में सबसे अधिक प्रभावी पाई गई है। लेकिन आने वाले समय में इसे अन्य प्रकार के कैंसर के इलाज के लिए भी विकसित किया जा सकता है।

पर्सनलाइज्ड वैक्सीन होगी

इस वैक्सीन की सबसे खास बात यह है कि इसे हर मरीज के लिए व्यक्तिगत रूप से तैयार किया जाएगा। यानी वैक्सीन को मरीज के अपने त्छ। के अनुसार अनुकूलित किया जाएगा। यह एक प्रकार की पर्सनलाइज्ड थेरेपी होगी, जो हर व्यक्ति के शरीर और उसकी बीमारी के प्रकार के अनुसार बनाई जाएगी।

मंजूरी के लिए किया गया आवेदन

FMBA ने इस साल गर्मियों में रूसी स्वास्थ्य मंत्रालय के पास इस वैक्सीन को मंजूरी देने के लिए आवेदन किया है। वेरोनिका स्क्वोर्तसोवा ने कहा कि अब वैक्सीन पूरी तरह से उपयोग के लिए तैयार है और केवल सरकारी स्वीकृति का इंतजार है। वैक्सीन से मरीजों के जीवित रहने की दर में सुधार देखा गया है, जिससे इसके जल्दी मंजूरी मिलने की उम्मीद है।

किन कैंसर पर किया जाएगा सबसे पहले इस्तेमाल

इस वैक्सीन का पहला संस्करण कोलोरेक्टल कैंसर के इलाज के लिए बनाया गया है। यह आंतों से संबंधित एक गंभीर प्रकार का कैंसर होता है। इसके अलावा वैज्ञानिक दो और प्रकार के कैंसर के लिए भी वैक्सीन पर काम कर रहे हैं। पहला है ग्लियोब्लास्टोमा, जो एक प्रकार का मस्तिष्क कैंसर है। दूसरा है मेलेनोमा, जो त्वचा से संबंधित कैंसर है। इन दोनों के लिए वैक्सीन अब विकसित होने के एडवांस स्टेज में है।

वैक्सीन से बढ़ेगी रोगी की जीवित रहने की संभावना

द्वारा किए गए प्रीक्लिनिकल अध्ययन में यह देखा गया कि वैक्सीन से इलाज कराने वाले मरीजों की जीवित रहने की दर में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है।

सीटी स्कैन के दौरान महिला की मौत, ऐसा आपके साथ न हो

हाल ही में एक चौंकाने वाली घटना सामने आई है, जिसमें एक 22 साल की महिला की सीटी स्कैन के दौरान एलर्जी रिएक्शन से मौत हो गई। ये मामला डराने वाला जरूर है, लेकिन इससे घबराने की नहीं, बल्कि सतर्क रहने की जरूरत है। आइए जानते हैं पूरी घटना, इससे जुड़े कारण और कैसे आप खुद को ऐसे खतरे से बचा सकते हैं।

क्या था पूरा मामला?

ब्राजील की रहने वाली लेटिसिया पॉल नाम की 22 साल की एक युवा वकील को किडनी स्टोन की परेशानी थी। 20 अगस्त को वह एक आम ब्ज स्कैन जांच के लिए गईं। यह एक रूटीन टेस्ट था, जिसे कई बार डॉक्टर द्वारा डायग्नोसिस के लिए किया जाता है। लेकिन स्कैन के दौरान उन्हें गंभीर एलर्जिक रिएक्शन हुआ।

इस रिएक्शन की वजह से उनका शरीर एनाफिलेक्टिक शॉक में चला गया। हालत बिगड़ने पर उन्हें तुरंत इमरजेंसी में एडमिट किया गया और इलाज शुरू किया गया। डॉक्टरों की कोशिशों के बावजूद, 24 घंटे के अंदर उनकी मौत हो गई।

सीटी स्कैन से एलर्जी कैसे हो सकती है?

सीटी स्कैन अपने आप में एलर्जी पैदा नहीं करता। लेकिन स्कैन को और ज्यादा स्पष्ट और सटीक बनाने के लिए एक विशेष तरल पदार्थ का उपयोग किया जाता है, जिसे कॉन्ट्रास्ट डाई कहा जाता है। ये डाई शरीर में इंजेक्शन के जरिए दी जाती है ताकि स्कैनिंग में अंगों की रचना साफ नजर आए।

कुछ लोगों का इम्यून सिस्टम इस डाई को "फॉरेन सब्सटेंस" यानी बाहरी और हानिकारक तत्व समझ लेता है, और इसके खिलाफ रिएक्शन शुरू कर देता है। इसी रिएक्शन की वजह से एलर्जी होती है, जो हल्की खुजली से लेकर जानलेवा एनाफिलेक्टिक शॉक तक हो सकती है।

किन लोगों को है ज्यादा खतरा?

हालांकि, ब्ज स्कैन हजारों लोग करवाते हैं और ज़्यादातर के साथ सब कुछ सामान्य होता है। लेकिन कुछ लोगों के लिए यह खतरनाक साबित हो सकता है, जैसे जिन्हें पहले से किसी दवा से एलर्जी रही हो। जिनकी अस्थमा या एलर्जिक हिस्ट्री हो। मल्टीपल ड्रग एलर्जी वाले मरीज। किडनी के मरीज, क्योंकि कॉन्ट्रास्ट डाई किडनी से ही बाहर निकलती है। जिन्हें पहले कभी कॉन्ट्रास्ट डाई से हल्का भी रिएक्शन हुआ हो। ऐसे लोगों को स्कैन से पहले डॉक्टर को अपनी मेडिकल हिस्ट्री पूरी तरह बतानी चाहिए।

एनाफिलेक्टिक शॉक क्या होता है?

एनाफिलेक्टिक शॉक एक गंभीर और तात्कालिक एलर्जिक रिएक्शन है जो शरीर में बहुत तेजी से फैलता है और कुछ ही मिनटों में जानलेवा स्थिति बना सकता है।

अब सिर्फ चेहरा नहीं, पूरा शरीर भी चमकेगा...चावल के आटे से घर पर बनाएं दानेदार स्क्रब गोलियां

हम में से ज्यादातर लोग अपने चेहरे की खूब देखभाल करते हैं, लेकिन शरीर की त्वचा पर उतना ध्यान नहीं देते। इसका नतीजा यह होता है कि चेहरे और शरीर की रंगत में साफ फर्क नजर आता है। खासकर धूप और टैनिंग के कारण शरीर का रंग काला और मुरझाया हुआ लगने लगता है। अगर आप भी इसी परेशानी से जूझ रहे हैं, तो ये घरेलू नुस्खा आपकी मदद कर सकता है।

क्या है ये घरेलू नुस्खा?

ये एक ऐसा नुस्खा है जिसमें आप घर पर ही चावल के आटे, नींबू, नारियल तेल और साबुन जैसी चीजों से एक्सफोलिएटिंग स्क्रब बॉल्स (छोटे साबुन जैसे गोले) तैयार कर सकते हैं। ये गोलियां नहाते समय इस्तेमाल की जाती हैं और इनसे त्वचा से डेड स्किन निकलकर एकदम फ्रेश और साफ चमकदार त्वचा नजर आती है।

जरूरी सामग्री

इस नुस्खे को बनाने के लिए आपको चाहिए

चावल का आटा – त्वचा को एक्सफोलिएट करता है

नींबू का रस – दाग–धब्बे हल्के करता है (विटामिन ब)

गुलाब जल – ठंडक और नमी देता है

नारियल तेल–त्वचा को मॉइस्चराइज करता है

चीनी का पाउडर – नेचुरल स्क्रब का काम करता है

कोई भी साबुन – सफाई में मदद करता है

इन सभी चीजों की मात्रा आप अपने हिसाब से रख सकते हैं।

कैसे बनाएं ये स्क्रब बॉल्स?

एक कटोरी में चावल का आटा लें। उसमें चीनी का पाउडर मिलाएं। अब उसमें नींबू का रस, गुलाब जल और नारियल तेल डालें। अच्छे से मिलाकर पेस्ट जैसा मिश्रण बना लें। फिर इसमें कोई भी साबुन को कद्दूकस करके मिलाएं। अब इस मिश्रण से छोटी–छोटी गोलियां (बॉल्स) बना लें। इन गोलियों को आप एयर टाइट डिब्बे में स्टोर कर सकते हैं।

कैसे और कब करें इस्तेमाल?

इन स्क्रब बॉल्स का इस्तेमाल आप नहाते समय कर सकते हैं। बस एक गोली लें और गीले हाथ–पैरों पर रगड़ें। चाहें तो साफ ब्रश या स्क्रबर का भी इस्तेमाल कर सकते हैं। इससे आपकी डेड स्किन हटेगी, त्वचा साफ और चमकदार दिखेगी।

क्यों है ये असरदार?

इस नुस्खे में इस्तेमाल हर सामग्री के अपने फायदे हैं

नींबू रंग निखारता है

चावल का आटा टैनिंग हटाता है

नारियल तेल त्वचा को मुलायम बनाता है

चीनी और साबुन गंदगी और डेड स्किन को साफ करते हैं

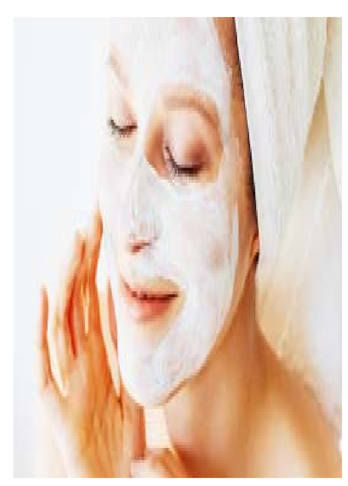

जालौन में दो दिवसीय महिला आल्हा गायन महोत्सव का भव्य आयोजन

लखनऊ, (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश लोक एवं जनजाति संस्कृति संस्थान, लखनऊ (संस्कृति विभाग, उत्तर प्रदेश) तथा जिला प्रशासन जालौन के संयुक्त तत्वावधान में उरई के टाउन हॉल स्थित मुक्ताकाशी मंच पर दो दिवसीय 'महिला आल्हा गायन महोत्सव' का आयोजन बड़ी धूमधाम और उत्साह के साथ किया जा रहा है। महोत्सव में बुंदेलखंड की लोक परंपरा को समर्पित आल्हा गायन की सुंदर प्रस्तुतियाँ महिलाओं द्वारा प्रस्तुत की जा रही हैं, जिससे क्षेत्रीय संस्कृति को नई ऊर्जा और पहचान मिल रही है।महोत्सव का उद्घाटन 6 सितम्बर 2025 को दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। उद्घाटन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में उरई सदर से माननीय विधायक श्री गौरी शंकर वर्मा, माधौगढ़ से माननीय विधायक श्री मूल चन्द्र निरंजन, कालपी से माननीय विधायक श्री विनोद चतुर्वेदी तथा भाजपा जिलाध्यक्ष श्रीमती उर्विजा दीक्षित उपस्थित रहीं। उन्होंने महिला कलाकारों के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि लोक संस्कृति के संरक्षण में महिलाओं की भागीदारी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है।उद्घाटन दिवस पर शीलू सिंह (रायबरेली), नेहा सिंह (रायबरेली), प्रतीक्षा यादव (महोबा) और अलका बाजपेयी (रायबरेली) ने अपनी मधुर और प्रभावशाली आल्हा प्रस्तुतियों से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। उनकी गायकी ने मंच पर एक उत्सवी वातावरण का निर्माण किया और लोक परंपरा के सौंदर्य को दर्शकों तक पहुँचाया।महोत्सव का समापन 7 सितम्बर 2025 को होगा, जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में विधान परिषद की सदस्य रमा निरंजन तथा जिला पंचायत अध्यक्ष डॉ. घनश्याम अनुरागी उपस्थित रहेंगे। समापन दिवस पर संजना (महोबा), शालिनी यादव (उन्नाव), अंजलि सिंह उर्फ काजल सिंह (रायबरेली) और जानकी देवी (रायबरेली) की प्रस्तुतियाँ लोक संस्कृति के इस महाकुंभ को और अधिक जीवंत बनाएँगी।कार्यक्रम के दौरान वक्ताओं ने कहा कि आल्हा गायन बुंदेलखंड और उत्तर प्रदेश की अमूल्य सांस्कृतिक धरोहर है। महिलाओं की सक्रिय भागीदारी इस परंपरा को न केवल नया स्वर प्रदान कर रही है, बल्कि इसे नई पीढ़ी तक पहुँचाने में भी सहायक सिद्ध हो रही है। यह आयोजन महिला कलाकारों को एक मंच देने के साथ–साथ लोक संस्कृति के संरक्षण की दिशा में एक महत्वपूर्ण प्रयास है।इस अवसर पर लोक एवं जनजाति संस्कृति संस्थान, लखनऊ के निदेशक अतुल द्विवेदी, जिलाधिकारी जालौन श्री राजेश कुमार पाण्डेय, पुलिस अधीक्षक डॉ. दुर्गेश कुमार, अपर जिलाधिकारी श्री संजय कुमार, एडीएम नमामि गंगे प्रेमचंद मौर्य, नगर मजिस्ट्रेट राजेश कुमार वर्मा सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। सभी ने महिला कलाकारों के योगदान को सराहा और लोक कला को प्रोत्साहित करने के लिए निरंतर प्रयासों की आवश्यकता पर बल दिया।दो दिवसीय यह महोत्सव न केवल कला प्रेमियों के लिए आकर्षण का केंद्र बना है, बल्कि यह महिला सशक्तिकरण और सांस्कृतिक जागरूकता का भी महत्वपूर्ण मंच साबित हो रहा है। आयोजकों ने कहा कि भविष्य में ऐसे कार्यक्रमों से स्थानीय प्रतिभाओं को और अधिक प्रोत्साहन मिलेगा तथा उत्तर प्रदेश की सांस्कृतिक विरासत को नई ऊँचाइयों तक पहुँचाने का मार्ग प्रशस्त होगा।

संक्षिप्त खबरें

सेवा पखवाड़ा में नये वोटरों को जोड़ने पर फोकस करेगी भाजपा

लखनऊ, (संवाददाता)। भाजपा द्वारा चलाए जाने वाले सेवा पखवाड़ा को लेकर भाजपा युवा मोर्चा की रविवार को प्रदेश महामंत्री (संगठन) धर्मपाल सिंह की अध्यक्षता में बैठक हुई। इस मौके पर संगठन मंत्री ने युवा मोर्चा के सभी पदाधिकारियों को नए मतदाताओं से संपर्क के लिए अभियान चलाने का आह्वान किया। उन्होंने पार्टी द्वारा पीएम मोदी के जन्मदिन पर 17 सितंबर से गांधी जयंती 2 अक्तूबर तक चलने वाले सेवा पखवाड़ा के दौरान आयोजित होने वाले कार्यक्रमों में युवा मोर्चा के कार्यकर्ताओं को भी सेवा कार्यों में शामिल होने को कहा। धर्मपाल सिंह ने कहा कि पार्टी संगठन की योजनानुसार सेवा पखवाड़ा अभियान में युवा मोर्चा के कार्यकर्ताओं को 17 सितम्बर को मोदी के जन्मदिवस पर सभी जिलों में रक्तदान शिविर लगाकर 75 युनिट रक्तदान करना है। उन्होंने कहा इसके लिए हमें पहले से उन कार्यकर्ताओं की सूची तैयार कर लेनी चाहिए जिन्हें रक्तदान करना है। उन्होंने कहा कि रक्तदान कार्यक्रम हो या नमो मैराथन हो, सभी कार्यक्रमों में नए मतदाताओं को जोड़ने पर विशेष तौर से प्रयास किए जाएं। उन्होंने युवा मोर्चा द्वारा आयोजित कार्यक्रमों को प्रभावी बनाने के लिए अभी से रूपरेखा तैयार करने को कहा है। इस मौके पर भाजयुमों के प्रदेश अध्यक्ष प्रांशु दत्त द्विवेदी ने कहा कि कार्यक्रम को सफल करने के लिए युवा मोर्चा के कार्यकर्ता समाज के विभिन्न वर्गों से संपर्क करेंगे। युवा मोर्चा के कार्यकर्ता सेलिब्रिटी, प्रमुख व्यवसायी, कलाकार, सांस्कृतिक प्रतीक, कवि, बड़े डाक्टर, वॉर संघों के लोगों, पूर्व खिलाड़ियों, फिटनेस क्लब, स्कूल कॉलेजों में भी संपर्क करेंगे। मैराथन के साथ एनसीसी, एनएसएस वे एनवाईके के कार्यकर्ताओं को मैराथन से जोड़ने का कार्य करेंगे।

लविवि न्यू कैंपस के लॉ छात्रों ने किया प्रदर्शन, लाठीचार्ज की हो न्यायिक जांच

लखनऊ, (संवाददाता)। बाराबंकी स्थित श्री राम स्वरूप मेमोरियल विश्वविद्यालय में छात्रों पर हुए बर्बर लाठीचार्ज एवं विश्वविद्यालय प्रशासन की मनमानी के विरोध में रविवार को लविवि न्यू कैंपस जानकीपुरम के विधि विभाग के छात्रों व एबीवीपी के कार्यकर्ताओं ने विश्वविद्यालय प्रशासन की शव यात्रा निकाल कर प्रदर्शन किया। छात्रों ने घटना की पूर्व जज से न्यायिक जांच कराने व दोषी पुलिस कर्मियों पर केस दर्ज करने समेत पांच सूत्री मांग पत्र एसीपी अलीगंज ऋषभ यादव को सौंपा। विवि विभाग से शुरू हुई शव यात्रा कैंपस परिसर से होते हुए मामा चौराहा पर खत्म हुई। इस दौरान सुमित सिंह रघुवंशी व हर्षित ने कहा कि श्री राम स्वरूप मेमोरियल विश्वविद्यालय में छात्रों से मनमाना विलंब शुल्क वसूले जाने तथा विधि पाठ्यक्रम की बार काउंसिल ऑफ इंडिया से संबद्धता न होने जैसी गंभीर समस्याओं को लेकर छात्र–छात्राएं शांतिपूर्ण धरना–प्रदर्शन कर रहे थे। विश्वविद्यालय प्रशासन व पुलिस ने मिलकर छात्रों की आवाज दबाने के लिए बर्बर लाठीचार्ज किया तथा बाहरी असामाजिक तत्वों को बुलाकर छात्र–छात्राओं पर जानलेवा हमला कराया। छात्रों ने पांच सूत्री ज्ञापन में विश्वविद्यालय व निजी महाविद्यालयों के मनमाने शुल्क (विशेषकर विलंब शुल्क) की वसूली पर रोक लगाने, श्री राम स्वरूप मेमोरियल विश्वविद्यालय के पीड़ित छात्रों को राहत प्रदान करने की मांग की।

मधुमक्खी पालन से औद्यानिकी में स्वरोजगार को मिलेगा बढ़ावा, योगी सरकार दे रही 90 दिन का नि:शुल्क प्रशिक्षण

लखनऊ, (संवाददाता)। प्रदेश सरकार किसानों की आय में वृद्धि और स्वरोजगार के अवसरों को बढ़ावा देने के लिए मधुमक्खी पालन को प्रोत्साहित कर रही है। उद्यान, कृषि विपणन, कृषि विदेश व्यापार तथा कृषि निर्यात राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री दिनेश प्रताप सिंह ने बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी के नेतृत्व में ऐसे अनुपूरक व्यवसायों को बढ़ावा दिया जा रहा है, जिनमें कम भूमि और कम पूंजी की आवश्यकता होती है। मधुमक्खी पालन इन्हीं व्यवसायों में शामिल है, जिससे किसान कम समय और कम लागत में अधिक आय अर्जित कर सकते हैं। मधुमक्खियाँ न केवल शहद उत्पादन में सहायक हैं, बल्कि पर–परागण से फसल उत्पादन क्षमता बढ़ाने और पर्यावरण संतुलन बनाए रखने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। प्रदेश सरकार इस क्षेत्र में किसानों को प्रेरित करने के साथ–साथ मधुमक्खी पालन हेतु 40 प्रतिशत तक अनुदान भी प्रदान कर रही है।उद्यान मंत्री ने बताया कि मधुमक्खी पालन से औद्यानिकी में स्वरोजगार का विस्तार होगा और इससे ग्रामीण क्षेत्रों में आर्थिक सशक्तिकरण को नई दिशा मिलेगी। किसानों को इस क्षेत्र में वैज्ञानिक ढंग से प्रशिक्षित करने के लिए औद्यानिक प्रयोग एवं प्रशिक्षण केन्द्र सहारनपुर और बस्ती तथा राजकीय उद्यान प्रयागराज में 16 सितम्बर से 15 दिसम्बर, 2025 तक तीन माह का नि:शुल्क प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। इसमें पुरुष और महिलाएँ, सभी वर्ग के इच्छुक अभ्यर्थी भाग ले सकते हैं। प्रशिक्षण में भाग लेने के लिए न्यूनतम शैक्षिक योग्यता कक्षा आठ उत्तीर्ण होना आवश्यक है।उद्यान एवं खाद्य प्रसंस्करण निदेशक डॉ. भानु प्रकाश राम ने बताया कि प्रशिक्षण में भाग लेने के लिए इच्छुक अभ्यर्थी अपने निकटतम केन्द्र दृ संयुक्त निदेशक, औद्यानिक प्रयोग एवं प्रशिक्षण केन्द्र सहारनपुरध्बस्ती अथवा अधीक्षक, राजकीय उद्यान प्रयागराज से संपर्क कर निर्धारित आवेदन पत्र प्राप्त कर सकते हैं। आवेदन के साथ दो सभ्रांत व्यक्तियों या किसी राजपत्रित अधिकारी द्वारा प्रदत्त चरित्र प्रमाण पत्र भी आवश्यक होगा। आवेदन की अंतिम तिथि 16 सितम्बर 2025 निर्धारित की गई है। प्रशिक्षणार्थियों को ठहरने और भोजन की व्यवस्था स्वयं करनी होगी।श्री दिनेश प्रताप सिंह ने कहा कि मधुमक्खी पालन ऐसा व्यवसाय है, जो किसानों को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाकर उनकी आय में वृद्धि करेगा। मुख्यमंत्री जी की पहल से किसान वैज्ञानिक तरीके से प्रशिक्षण प्राप्त कर आधुनिक तकनीकों के साथ शहद उत्पादन और परागण कार्य में दक्ष होंगे। इससे न केवल उनकी आय में इजाफा होगा, बल्कि पर्यावरण संरक्षण में भी महत्वपूर्ण योगदान मिलेगा। प्रदेश सरकार इस क्षेत्र में प्रशिक्षण, अनुदान और जागरूकता अभियान के माध्यम से युवाओं और किसानों को स्वरोजगार की ओर अग्रसर कर रही है।

उत्तर प्रदेश संस्कृत संस्थान द्वारा संस्कृत प्रतिभा खोज सम्मान समारोह का भव्य समापन

लखनऊ, (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश संस्कृत संस्थान द्वारा आयोजित संस्कृत प्रतिभा खोज सम्मान समारोह का भव्य समापन समारोह पिछले सप्ताह हुआ। दीप प्रज्वलन और माल्यार्पण के साथ शुरू हुए इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथियों का वाचिक स्वागत किया गया। समारोह में विद्यार्थियों, अभिभावकों, शिक्षकों और विद्यालय संयोजकों सहित आठ हजार से अधिक लोगों की भागीदारी रही, जिससे आयोजन की भव्यता और उल्लास दोनों बढ़े।संस्थान के निदेशक श्री विनय श्रीवास्तव ने अपने उद्बोधन में कहा कि संस्कृत प्रतिभा खोज योजना उत्तर प्रदेश संस्कृत संस्थान की महत्वाकांक्षी पहल है, जिसे वर्ष 2023 में आरम्भ किया गया था। यह योजना छात्रों की छुपी हुई प्रतिभा को पहचानने, उन्हें प्रोत्साहित करने और संस्कृत भाषा को लोकप्रिय बनाने के उद्देश्य से संचालित की जा रही है। इस प्रतियोगिता में छात्रों को जनपद, मण्डल और राज्य स्तर पर प्रतिभा प्रदर्शित करने का अवसर मिलता है।राज्यस्तरीय प्रतियोगिताओं के अंतर्गत 6 और 7 सितम्बर को पाँच प्रमुख प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया– संस्कृत गीत, संस्कृत सामान्य ज्ञान (बाल वर्ग), श्रुतलेखन, संस्कृत भाषण तथा संस्कृत सामान्य ज्ञान (युवा वर्ग)। विभिन्न प्रतियोगिताओं में विद्यार्थियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया।संस्कृत गीत प्रतियोगिता में अकांक्षा द्विवेदी ने प्रथम, मान्या वर्मा ने द्वितीय और अंकिता दुबे ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। संस्कृत सामान्य ज्ञान (बाल वर्ग) में एकता प्रथम, लक्ष्मी देवी द्वितीय और भव्या गुर्जर तृतीय स्थान पर रहीं। श्रुतलेखन प्रतियोगिता में शिखर शुक्ला प्रथम, ध्रुव द्वितीय और अमन शुक्ला तृतीय स्थान पर रहे। संस्कृत भाषण प्रतियोगिता में ओजस्वी गुप्ता ने प्रथम, काशी ने द्वितीय और मित्रा राय ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। वहीं संस्कृत सामान्य ज्ञान (युवा वर्ग) में अपूर्व मिश्रा प्रथम, विनय आर्य द्वितीय और कशिश वार्ष्णेय तृतीय स्थान पर रहे।विजेताओं को प्रथम, द्वितीय, तृतीय तथा सांत्वना पुरस्कारों से सम्मानित किया गया। आयोजकों ने कहा कि योगी सरकार द्वारा निरंतर किए जा रहे संस्कृत संवर्धन कार्यों के परिणामस्वरूप आज प्रदेश में विद्यार्थियों को न केवल प्रोत्साहन मिल रहा है, बल्कि उन्हें अपनी योग्यता प्रदर्शित करने का उचित मंच भी प्राप्त हो रहा है। संस्कृत प्रतिभा खोज योजना ने प्रदेश में संस्कृत भाषा के पुनर्जागरण और युवाओं में रुचि बढ़ाने का मार्ग प्रशस्त किया है।

संक्षिप्त खबरें

लखनऊ पुलिस ने महिलाओं और बुजुर्गों से छिनैती करने वाले शातिर अपराधी को किया गिरफ्तार

लखनऊ, (संवाददाता)।लखनऊ पुलिस कमिश्नरेट के जोन दक्षिणी के थाना कृष्णानगर पुलिस ने महिलाओं और बुजुर्गों से छिनैती की घटनाओं को अंजाम देने वाले शातिर अपराधी को गिरफ्तार कर बड़ी सफलता हासिल की है। पुलिस ने अभियुक्त के कब्जे से 17,500 रुपये की नगदी और घटना में प्रयुक्त पल्सर मोटरसाइकिल बरामद की है। पुलिस की त्वरित कार्रवाई से क्षेत्र में भय का वातावरण समाप्त हुआ है और नागरिकों में सुरक्षा को लेकर भरोसा बढ़ा है।जानकारी के अनुसार, दिनांक 02 सितम्बर 2025 को वादी राम कुमार चौधरी की माँ घर के बाहर खड़ी थीं। उसी दौरान दिन में लगभग 12 बजे बाइक सवार अज्ञात व्यक्ति ने पीछे से आकर उनकी गले की सोने की चौन छीन ली और मौके से फरार हो गया। इस घटना की सूचना वादी द्वारा थाना कृष्णानगर पुलिस को दी गई, जिसके आधार पर अज्ञात आरोपी के खिलाफ मु0अ0सं0–418ध25 धारा 304(2)ध317(2) बीएनएस के तहत मुकदमा दर्ज किया गया। घटना से क्षेत्रवासियों में दहशत फैल गई थी।घटना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस उपायुक्त दक्षिणी के निर्देशन में दो विशेष टीमों का गठन किया गया। टीमों ने तकनीकी सहायता, सीसीटीवी फुटेज और मुखबिर की सूचना के आधार पर जांच शुरू की। दिनांक 06 सितम्बर 2025 को मुखबिर की सूचना पर अभियुक्त रवि कुमार उर्फ चांदू गिरि पुत्र राम निवास गिरि निवासी ददिउरी थाना बंडा, जनपद शाहजहाँपुर को ग्राम कमालपुर, शाहजहाँपुर से गिरफ्तार कर लिया गया। अभियुक्त की उम्र लगभग 29 वर्ष बताई गई है।

लखनऊ में ग्राम बेहटा विस्फोट मामला दो पुरस्कार घोषित वांछित अभियुक्त गिरफ्तार

लखनऊ, (संवाददाता)। लखनऊ पुलिस कमिश्नरेट के जोन पूर्वी के थाना गुडम्बा पुलिस ने ग्राम बेहटा में हुए विस्फोट से संबंधित दो वांछित अभियुक्तों को गिरफ्तार कर बड़ी कार्रवाई की है। पुलिस ने बताया कि अभियुक्तों द्वारा अवैध रूप से विस्फोटक पदार्थों का निर्माण और भंडारण किया जा रहा था, जिससे यह गंभीर घटना घटित हुई। गिरफ्तार अभियुक्तों पर पुरस्कार घोषित किया गया था और उन्हें पुलिस ने स्कार्पियो क्लब के पास से पकड़ लिया। पुलिस की इस कार्रवाई से अवैध विस्फोटक निर्माण गिरोह का पर्दाफाश हुआ है और सुरक्षा के लिए बड़ा कदम उठाया गया है।गौरतलब है कि 31 अगस्त 2025 को ग्राम बेहटा में एक मकान में अचानक तेज विस्फोट हुआ था। घटना की सूचना मिलते ही थाना पुलिस, फायर ब्रिगेड, एम्बुलेंस और स्थानीय पुलिस की टीम मौके पर पहुँची। गिर चुके मकान और आसपास के मकानों से सात लोगों को बाहर निकालकर अस्पताल भेजा गया, जहाँ दो लोगों को डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया जबकि उपचार के दौरान दो और लोगों की मौत हो गई। इस दुखद घटना ने पूरे क्षेत्र में हड़कंप मचा दिया था।घटनास्थल पर थाना प्रभारी प्रभातेश कुमार श्रीवास्तव, संयुक्त पुलिस आयुक्त कानून व्यवस्था, जिलाधिकारी लखनऊ, पुलिस उपायुक्त पूर्वी, अपर पुलिस उपायुक्त पूर्वी तथा अन्य पुलिस अधिकारियों की मौजूदगी में बम निरोधक दस्ता और डॉग स्क्वायड ने जांच की। गहन जांच में पाया गया कि कुछ लोगों द्वारा विस्फोटक अधिनियम की शर्तों का उल्लंघन करते हुए अवैध निर्माण और भंडारण किया जा रहा था। इसके चलते यह हादसा हुआ।

माध्यम से निष्पक्ष और पारदर्शी चयन प्रक्रिया अपनाकर इन युवाओं का चयन किया गया

लखनऊ, (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा विकसित भारत के लक्ष्य को साकार करने के लिए देश के युवाओं को 'मिशन रोजगार' के साथ जोड़ने का संकल्प लिया गया है। इसी दिशा में प्रदेश सरकार ने बीते आठ वर्षों में साढ़े आठ लाख से अधिक युवाओं को सरकारी नौकरियों से लाभान्वित किया है। विभिन्न भर्ती आयोगों के माध्यम से निष्पक्ष और पारदर्शी चयन प्रक्रिया अपनाकर इन युवाओं का चयन किया गया, जो अब प्रदेश की सेवा में अपनी प्रतिभा और ऊर्जा से योगदान दे रहे हैं।मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ आज लखनऊ में राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों (आईटीआई) के 1510 नवचयनित अनुदेशकों को नियुक्ति पत्र प्रदान करने के पश्चात आयोजित कार्यक्रम में बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि प्रदेश में बेहतर कानून व्यवस्था और निवेश–तिपमदकसल वातावरण के चलते निवेशकों का रुझान बढ़ा है, जिसका लाभ व्यावसायिक शिक्षा, कौशल विकास और उद्यमशीलता से जुड़े युवाओं को मिला है। बीते आठ वर्षों में प्रदेश में 60 लाख से अधिक युवाओं को रोजगार प्राप्त हुआ है, जिसमें उत्तर प्रदेश कौशल विकास मिशन से प्रशिक्षण प्राप्त करने वाले 14 लाख युवा शामिल हैं। हाल ही में आयोजित रोजगार महाकुंभ में देशी और विदेशी कंपनियों ने प्रशिक्षित युवाओं को उच्च वेतन पर नियुक्त किया।मुख्यमंत्री ने बताया कि प्रदेश में 300 से अधिक आईटीआई संचालित हैं, जहाँ 92 ट्रेडों में प्रशिक्षण दिया जा रहा है। बीते आठ वर्षों में 60 से अधिक नए आईटीआई असेवित क्षेत्रों में स्थापित किए गए हैं। निजी क्षेत्र में 3,000 से अधिक आईटीआई संचालित हैं, जो वैश्विक मांग के अनुसार युवाओं को 100 से अधिक ट्रेडों में प्रशिक्षित कर रहे हैं। इनमें पारंपरिक ट्रेडों जैसे इलेक्ट्रीशियन और प्लम्बिंग के साथ–साथ आधुनिक तकनीकों जैसे आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, रोबोटिक्स और ड्रोन टेक्नोलॉजी का प्रशिक्षण शामिल है।उन्होंने कहा कि 'हर घर नल योजना' के अंतर्गत प्लम्बरों की मांग बढ़ी है। इसके अलावा, पीएनजी गैस पाइपलाइन विस्तार के साथ नए प्रकार के प्लम्बरों की आवश्यकता होगी। टाटा टेक्नोलॉजी के सहयोग से 150 आईटीआई में वैश्विक बाजार की जरूरतों के अनुरूप प्रशिक्षण प्रदान किया जा रहा है। अब कंपनियाँ युवाओं की कुशलता से प्रभावित होकर सीधे प्रदेश में आकर उन्हें नियुक्त कर रही हैं।मुख्यमंत्री ने 'मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान' का उल्लेख करते हुए कहा कि 21 से 40 वर्ष तक के युवाओं को ब्याज और गारंटी मुक्त 5 लाख रुपये तक का ऋण दिया जा रहा है। प्रति वर्ष एक लाख युवाओं को इस योजना से जोड़ा जा रहा है। इसके साथ ही 'एक जनपद एक उत्पाद योजना' को प्रभावी रूप से लागू कर स्थानीय उत्पादों और कारीगरों को प्रोत्साहित किया जा रहा है। महात्मा गांधी के ग्राम स्वराज के सपने को साकार करने के लिए परंपरागत कार्यों में संलग्न लोगों को समर्थन दिया जा रहा है।उन्होंने नवचयनित अनुदेशकों से अपील की कि वे अपने कौशल को और निखारें और युवाओं को नए ट्रेडों में पारंगत करें ताकि वैश्विक बाजार में उनकी पहचान बने। व्यावसायिक शिक्षा, कौशल विकास तथा उद्यमशीलता विभाग को सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम विभाग और श्रम एवं सेवायोजन विभाग के साथ मिलकर रोजगार मेलों का आयोजन करना चाहिए।मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि वर्ष 2017 से पूर्व प्रदेश में परंपरागत उद्यम बंदी की स्थिति में थे, लेकिन डिजाइनिंग, प्रशिक्षण और मार्केटिंग के माध्यम से दो करोड़ युवाओं को रोजगार मिला। वर्तमान में प्रदेश में लगभग 96 लाख एमएसएमई इकाइयाँ कार्यरत हैं, जहाँ कोरोना काल में पलायन कर लौटे श्रमिकों को समायोजित किया गया। उन्होंने कहा कि प्रदेश प्रकृति और परमात्मा की कृपा से संपन्न है और प्रयासों के बल पर उत्तर प्रदेश देश की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन चुका है।कार्यक्रम में नवचयनित अनुदेशकों ने निष्पक्ष चयन प्रक्रिया के लिए मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त किया। व्यावसायिक शिक्षा एवं कौशल विकास विभाग की उपलब्धियों पर आधारित लघु फिल्म भी प्रदर्शित की गई। व्यावसायिक शिक्षा, कौशल विकास एवं उद्यमशीलता राज्यमंत्री कपिलदेव अग्रवाल, विधायक नीरज बोरा, विधान परिषद सदस्य अवनीश कुमार सिंह, लालजी प्रसाद निर्मल, मुकेश शर्मा, रामचंद्र प्रधान, मुख्य सचिव दीपक कुमार, प्रमुख सचिव डॉ. हरिओम सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

लखनऊ में पीईटी परीक्षा को लेकर नागरिक सुरक्षा हेल्प डेस्क कैम्प लगाए गए

लखनऊ, (संवाददाता)। प्रारम्भिक अहर्ता परीक्षा (पीईटी) के दो दिवसीय आयोजन को लेकर राजधानी लखनऊ में परीक्षार्थियों की सहायता हेतु नागरिक सुरक्षा नियंत्रक एवं जिलाधिकारी विशाख जी तथा चीफ वार्डेन अमरनाथ मिश्रा के निर्देश पर चारबाग रेलवे स्टेशन एवं बस अड्डा, आलमबाग बस अड्डा, कैसरबाग बस अड्डा तथा अवध बस अड्डा कमता पर हेल्प डेस्क कैम्प लगाए गए। इन कैम्पों का उद्देश्य दूर–दराज से आने वाले परीक्षार्थियों को परीक्षा केंद्र तक समय पर पहुँचने में सहयोग प्रदान करना रहा।चारबाग कैम्प में डिविजनल वार्डेन आशीष कपूर, डिप्टी डिविजनल वार्डेन रामगोपाल सिंह और सुनील कुमार कर्मचंदानी, आलमबाग कैम्प में डिविजनल वार्डेन सतेंद्र कुमार शर्मा और अरविन्द कुमार मिश्रा, कैसरबाग कैम्प में डिप्टी डिविजनल वार्डेन मुशीर अहमद और सुमित साहू तथा गोमतीनगर कैम्प में डिविजनल वार्डेन नफीस अहमद की उपस्थिति रही। इन कैम्पों का निरीक्षण सिटी मजिस्ट्रेट ज्ञान चंद्र गुप्ता, एडीएम बृजेश कुमार वर्मा, एडीएम सतीश चन्द्र त्रिपाठी, एडीएम सचिन कुमार यूंवर्मा, डिप्टी डिविजनल वार्डेन गुरप्रीत सिंह सेठी, स्टाफ ऑफिसर टू चीफ वार्डेन ऋतुराज रस्तोगी तथा एडीसी मुकेश कुमार द्वारा किया गया।परीक्षा केंद्रों पर रिपोर्टिंग समय सुबह आठ बजे निर्धारित था, इसके बावजूद कई परीक्षार्थी विशेषकर मऊ से आए हुए, जिन्हें लखनऊ मॉडल इंटर कॉलेज, उदयगंज और अंबेडकर विश्वविद्यालय तथा राजकीय इंटर कॉलेज सरोजनीनगर केंद्रों पर जाना था, समय रहते नहीं पहुँच पाए। ऐसे में कैम्प में मौजूद डिप्टी डिविजनल वार्डेन रामगोपाल सिंह ने उन्हें तत्काल ऑटो की व्यवस्था कर भेजा और वार्डेन पंकज मिश्रा ने अपनी मोटरसाइकिल से सरोजनीनगर केंद्र तक पहुँचाने का प्रयास किया।

भाजपा सरकार किसान, नौजवान और कारोबार विरोधी – अखिलेश यादव

लखनऊ, (संवाददाता)। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने भाजपा सरकार पर हमला बोलते हुए कहा कि वर्तमान सरकार किसान, नौजवान, मजदूर और कारोबार विरोधी है। उन्होंने कहा कि भाजपा की गलत नीतियों के चलते हर वर्ग परेशान और तबाह हो गया है। भाजपा ने किसानों की आय दोगुनी करने, नौजवानों को रोजगार देने और महंगाई कम करने के नाम पर जनता से झूठे वादे किए, जबकि स्थिति उलटी हो गई।अखिलेश यादव ने कहा कि जीएसटी लागू होने से कारोबार आसान नहीं हुआ बल्कि उलटे इसमें सबसे अधिक संशोधन किए गए। तमाम बदलावों के बावजूद महंगाई कम नहीं हुई और आम जनता का बोझ बढ़ता गया। उन्होंने सवाल उठाया कि आखिर जीएसटी से किसे मुनाफा हुआ और किसका नुकसान। महंगाई में लगातार वृद्धि हो रही है, हर चीज महंगी हो रही है और भाजपा सरकार इस स्थिति के लिए जिम्मेदार है।अखिलेश यादव ने अमेरिका द्वारा लगाए गए टैरिफ का मुद्दा उठाते हुए कहा कि भाजपा नेता इस पर चुप हैं, मानो उनके मुंह पर भी अमेरिका का टैरिफ लग गया हो। उन्होंने कहा कि इससे भदोही के कारपेट, मुरादाबाद के ब्रास उत्पाद, मेरठ, सहारनपुर सहित कई जगहों से होने वाले निर्यात को नुकसान पहुंच रहा है। इससे कारीगर बेरोजगार होंगे और देश की अर्थव्यवस्था पर प्रतिकूल असर पड़ेगा।उन्होंने सरकार से अपील की कि भारत की अर्थव्यवस्था को बचाने के लिए ठोस कदम उठाए जाएँ। भाजपा का स्वदेशी का नारा केवल बातों तक सीमित है, जबकि "मेकिंग इंडिया" बर्बाद हो चुका है। किसानों को खाद नहीं मिल रही, यूरिया और कीटनाशक महंगे हैं। खेती करने वाले गांव और गरीब पीडीए वर्ग के लोग हैं, इसलिए सरकार उन्हें खाद उपलब्ध नहीं करा रही। मेहनत से फसल उगाने वाले किसानों को उचित कीमत नहीं मिल रही और हर स्तर पर उनका शोषण हो रहा है।अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा की सोच वर्चस्ववादी है, जो पीडीए समाज का उत्पीड़न और शोषण करती है। भाजपा सामाजिक सौहार्द बिगाड़ने की नकारात्मक राजनीति कर रही है और पीडीए

वर्ग के प्रति दुर्भावना से भरी हुई है। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार के जाने पर ही महंगाई कम होगी, विकास होगा, गरीबों को इलाज मिलेगा और अन्याय व अत्याचार समाप्त होंगे। उन्होंने यह भी कहा कि वर्तमान सरकार के रहते किसानों की आय दोगुनी नहीं हो सकती।समाजवादी पार्टी ने स्पष्ट किया है कि वह भाजपा सरकार की गलत नीतियों के खिलाफ जनता के बीच संघर्ष जारी रखेगी और पीडीए समाज के हितों की रक्षा के लिए आवाज बुलंद करेगी।

मोटोरोला ने स्वारोवस्की के सहयोग से पेश किया ब्रिलियंट कलेक्शन

लखनऊ (प्रत्यूष पाण्डेय)। मोटोरोला ने स्वारोवस्की के साथ मिलकर ब्रिलियंट कलेक्शन लॉन्च किया है। यह कलेक्शन टेक्नोलॉजी और फैशन को एक साथ लाता है। इसमें मोटोरोला रेजर 60 और मोटो बड्स लूप का खास स्वारोवस्की एडिशन शामिल है। ये डिवाइस बेहतरीन डिजाइन, नई तकनीक और खूबसूरत स्टाइल के साथ बनाए गए हैं, जो यूजर्स की तरह ही चमकते हैं। मोटोरोला और स्वारोवस्की दोनों नई तकनीक, शानदार शिल्पकला और अपनी खास पहचान को महत्व देते हैं। यह साझेदारी उन लोगों के लिए है जो ऐसी टेक्नोलॉजी चाहते हैं जो उनकी स्टाइल को बेहतर बनाए। ब्रिलियंट कलेक्शन के साथ, मोटोरोला ने एक लाइफस्टाइल टेक ब्रांड के रूप में अपनी सोच को और मजबूत किया है, जो फैशन और टेक्नोलॉजी का संयोजन इस तरह करता है कि यूजर्स को स्टाइल या तकनीक में से किसी एक को चुनने की जरूरत नहीं पड़ती। मोटोरोला रेजर 60 स्वारोवस्की एडिशन लग्जरी को नया अर्थ देता है, जो इस प्रतिष्ठित फ्लिप फोन को एक सच्चे फैशन मास्टरपीस में बदल देता है। विशेष पैंटोन आइस मेल्ट रंग में, चमकदार क्विल्टेड लेदर–प्रेरित फिनिश के साथ, यह हर नजर में शानदार दिखता है। इसमें 35 स्वारोवस्की क्रिस्टल्स को हाथों से लगाया गया है, जिसमें हिन्ज पर 26–फेसेट वाला चमकदार क्रिस्टल और क्रिस्टल–प्रेरित वॉल्यूम कीज शामिल हैं, जो हर एंगल से चमक और कला को दर्शाते हैं। स्टाइल को वियरेबल लग्जरी तक ले जाते हुए, रेजर60 एक प्रीमियम क्रॉसबॉडी केस के साथ आता है, और फैशन व फंक्शनैलिटी को बखूबी मिलाता है। यह सिर्फ एक स्मार्टफोन नहीं, बल्कि सुंदरता, इनोवेशन और सदाबहार शिल्पकला का एक बोल्ड स्टेटमेंट है। मोटोरोला रेजर 60 सिर्फ डिजाइन में ही नहीं, बल्कि कंटेंट क्रिएटर्स और टेक उत्साही लोगों के लिए भी शानदार है। यह दुनिया का पहला फ्लिप फोन है जिसमें जेस्चर–कंट्रोल्डे वीडियो रिकॉर्डिंग की सुविधा है, जिससे आपहैंड्स–फ्री रिकॉर्डिंग शुरू कर सकते हैं,उसे रोक और बंद कर सकते हैं। पैनटोन–प्रमाणित 100 प्रतिशत ट्रू कलर कैमरा 50 एमपी प्रो–ग्रेड ओजेएस मेन लेंस, 13एमपी अल्ट्रावाइड + मैक्रो लेंस और 32एमपी क्वॉड पिक्सल सेल्फी कैमरा के साथ जीवंत तस्वीरें खींचता है, जबकि मोटो एआईफोटो और वीडियो को ऑटोमैटिकली बेहतर बनाता है। इसका 3.6 इंच का बाहरी पोलेड, इस सेगमेंट में सबसे बड़ा, गूगल जेमिनी को इंटीग्रेट करता है, जो फोन खोले बिना एआई–पावर्ड समरी, लाइव ट्रांसक्रिप्शन और क्रिएटिव असिस्टेंस प्रदान करता है। सुंदरता और ड्यूरैबिलिटी के लिए बनाए गए रेजर60 स्वारोवस्की एडिशन में टाइटेनियम–रेनफोर्स्ड हिन्ज है, ।

साहित्य वीथिका साहित्यिक सामाजिक संस्था के संयोजन में 'राष्ट्रीय पुस्तक मेला बलरामपुर गार्डन' में काव्य गोष्ठी आयोजित

लखनऊ (प्रत्यूष पाण्डेय). साहित्यिक सामाजिक गतिविधियों के प्रति समर्पित संस्था श्साहित्य वीथिकाश के तत्वावधान मे श्राष्ट्रीय पुस्तक मेला बलराम पुर गार्डन अशोक मार्ग, परिसर में नमिता सुंदर सचान के संरक्षण में, काव्य गोष्ठी आयोजित की गयी। गोष्ठी की अध्यक्षता गोपाल नारायण श्रीवास्तव ने की।

मुख्य अतिथि महेश अस्थाना, डॉ अर्चना श्रीवास्तव, नमिता सुंदर एवं कपिलश फाउंडेशन की राष्ट्रीय अध्यक्ष रेखा बोरा थी।काव्य गोष्ठी का संयोजन आर्य कन्या इंटर कालेज की प्रवक्ता भावना मौर्या एवं संचालन राजेश मल्होत्रा द्वारा किया गया।

गोष्ठी के प्रारम्भ में संस्था की संस्थापिका मंजूषा श्रीवास्तव के द्वारा अतिथियों के लिए स्वागत सम्बोधन केदिया गया। इसके पश्चात माँ शारदे की वंदना श्नृत्य प्रस्तुतिश कु.बबली रावत,कु.राधिका कन्नौजिया ने की तत्पश्चात गोष्ठी का आरम्भ हुआ।

गोष्ठी में मीनाक्षी शुक्ला, रश्मि लहर सविता श्रीवास्तव, शालिनी सिन्हा, जे. पी. सिंह, कौसर रिजवी, श्वेता श्रीवास्तव, रश्मि शरद, गरिमा पंत, प्रमोद श्रीवास्तव, प्रतिभा श्रीवास्तव,

रजा मुदस्सर, शीला वर्मा, संदीपिका दीक्षित,भावना मिश्रा श्मनश्आलोक रावत(आहत लखनवी),भावना मौर्या,

रत्ना बापुली, संजय श्रीवास्तव, आदि कवि कवयित्रियों के शानदार काव्य पाठ ने काव्यगोष्ठी को पूरी तरह से सफल बनाया।

अतिथियों के उदबोधन ने हमारा मार्गदर्शन किया. अंत में इस गोष्ठी की अध्यक्षता कर रहे गोपाल नारायण श्रीवास्तव के आशीर्वचनों से पूरा वातावरण ऊर्जावान होगया।

साहित्य वीथिका की संस्थापिका, अध्यक्षा मंजूषा श्रीवास्तव श्मृदुलश जी के धन्यवाद ज्ञापन द्वारा गोष्टी का समापन हुआ। भावना मौर्या के संयोजन से गोष्ठी सम्पन्न हुई।

संक्षिप्त खबरें

कम उम्र के लोगों में बढ़ते हार्ट अटैक के मामले मेदांता ने समय पर जांच और लाइफस्टाइल बदलाव पर दिया जोर

लखनऊ (प्रत्यूष पाण्डेय)। पहले जहां हार्ट अटैक का खतरा 55 साल की उम्र बाद ज्यादा देखा जाता था, अब यह तेजी से 40 साल से कम उम्र के लोगों में भी बढ़ रहा है। इसकी बड़ी वजह है भागदौड़ भरी जिंदगी, बैठकर अधिक समय तक काम करना, मोटापा, तनाव, तंबाकू का इस्तेमाल और शारीरिक गतिविधि की कमी। साथ ही डायबिटीज, ब्लड प्रेशर और बढ़ा हुआ कोलेस्ट्रॉल जैसी समस्याएं जब कंट्रोल में नहीं रहतीं तो यह अचानक दिल का दौरा पड़ने का कारण बनती हैं। मेदांता हॉस्पिटल्स के चेयरमैन और मैनेजिंग डायरेक्टर डॉ. नरेश त्रेहन ने लखनऊ में आयोजित कार्डियक कॉन्क्लेव वीडियो कांफ्रेंस के माध्यम से संबोधित करते हुए कहा, "समय पर जांच और प्रिवेंटिव हेल्थ चेकअप को भारत की हेल्थ स्ट्रैटेजी का अनिवार्य हिस्सा बनाना बेहद जरूरी है।" इस कार्यक्रम का लक्ष्य डॉक्टरों को जटिल मामलों से निपटने के लिए तैयार करने के साथ–साथ आम लोगों में जागरूकता फैलाना भी रहा।" पिछले दो दशकों में 40 साल से कम उम्र वालों में हार्ट अटैक के मामलों में बड़ा इजाफा हुआ है। हार्ट अटैक की वजह से भर्ती होने वाले हर पाँच में से एक मरीज की उम्र 40 साल से कम होती है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार, साल 2022 में दुनियाभर में करीब 1.98 करोड़ लोगों की मौत दिल की बीमारियों से हुई। भारत में 30 से 50 साल की उम्र के बीच दिल की बीमारी की शुरुआत बहुत आम होती जा रही है। कॉन्क्लेव में कई डॉक्टरों ने अपने अनुभव साझा किए। डॉ. गणेश सेठ ने 45 साल के एक ऐसे मरीज का केस बताया, जिसे कोई लक्षण नहीं था।

जिलाधिकारी ने लेखपाल ट्रेनिंग की परीक्षा का औचक निरीक्षण किया

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर । जिलाधिकारी डा0 दिनेश चन्द्र द्वारा उमानाथ सिंह हायर सेकेंडरी स्कूल में आयोजित लेखपाल ट्रेनिंग की परीक्षा का औचक निरीक्षण किया गया। यह परीक्षा 09 सितम्बर 2025 से 13 सितम्बर 2025 तक आयोजित होगी। प्रथम पाली की परीक्षा प्रातः 08:00 बजे से 11:00 बजे तक तक आयोजित हुई, द्वितीय पाली की परीक्षा अपराह्न 02:00 बजे से 05:00 बजे तक आयोजित होगी। यह परीक्षा 03 दिवस तक दो पाली में आयोजित होगी। इसके अतिरिक्त एक दिन सर्वेक्षण कार्य तथा एक दिन सदाचार व सव्यवहार की परीक्षा आयोजित होगी। आज प्रथम पाली की परीक्षा शांतिपूर्वक संपन्न हुई। आज की परीक्षा में 214 लेखपाल में 213 लेखपाल उपस्थित रहे। इस अवसर पर मुख्य राजस्व अधिकारी अजय अम्बष्ट, अतिरिक्त उप जिलाधिकारी, तहसीलदार सहित अन्य उपस्थित रहे।

उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ ने भरी संघर्ष की हुंकार

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर । सभी शिक्षकों के लिए टीईटी अनिवार्य किए जाने के सुप्रीम कोर्ट के फैसले के चिंतित और आक्रोशित शिक्षक अब धीरे–धीरे आंदोलन की राह पर चलने के लिए बाध्य हो गए हैं । इस मुद्दे को लेकर उत्तर प्रदेशीय की प्राथमिक शिक्षक संघ जौनपुर की सोमवार को एक आपातकालीन बैठक जिलाध्यक्ष अरविंद शुक्ल की अध्यक्षता में मियांपुर स्थित मंगलम लॉन के हाल में हुई । बैठक में जनपद के प्रत्येक ब्लॉकों से आए हुए पदाधिकारियों ने विचार विमर्श के बाद 16 सितंबर को जनपद स्तरीय धरना प्रदर्शन की घोषणा की । जिला अध्यक्ष अरविंद शुक्ला ने कहा कि टीईटी को लेकर केंद्र सरकार की ओर से बनाए गए कानून के क्रम में सुप्रीम कोर्ट के निर्णय से देश भर के 20 लाख शिक्षकों के सामने संकट खड़ा हुआ है । इससे प्रदेश और जनपद में भी इससे प्रभावित होने वालों की बहुत बड़ी तादाद है , जबकि समस्त शिक्षकों की नियुक्ति सरकार और एनसीटीई के निर्देशानुसार ही शिक्षक पात्रता की प्रक्रिया पूर्ण करने के बाद ही उनकी शिक्षक पद पर तैनाती की गई थी । आरटीई लागू होने से पूर्व के कार्यरत शिक्षकों के लिए टीईटी की अनिवार्यता की बाध्यता न्यायसंगत नहीं है । किसी भी विभाग में नियुक्त कर्मचारियों से पुनः उनके नियुक्ति की पात्रता संबंधी परीक्षा का प्रावधान नहीं किया गया है । संघ इसके लिए हर स्तर पर संघर्ष करेगा । बैठक में निर्णय लिया गया कि केंद्र सरकार द्वारा बनाए गए कानून में संशोधन के लिए 16 सितंबर को प्रदेश के अन्य जनपदों की तरह जिला मुख्यालय पर धरना प्रदर्शन करते हुए जिलाधिकारी जौनपुर के माध्यम से माननीय प्रधानमंत्री जी को संबोधित ज्ञापन भेजा जाएगा । उन्होंने आंदोलन में समस्त शिक्षकों के शामिल होने का आह्वान किया । जिला मंत्री रविचंद्र यादव ने बताया कि जल्द ही शिक्षकों का एक उच्च स्तरीय प्रतिनिधिमंडल मंडल इस मामले में शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान से मिलेगा तथा जरूरत पड़ी।

लघु उद्योग लगाकर युवा आत्म निर्भर बनें-अनुज कुमार

हरदोई(अम्बरीष कुमार सक्सेना)

प्रभारी अधिकारी राजकीय फल संरक्षण एवं प्रशिक्षण केन्द्र धीरेन्द्र कुमार ने बताया है, कि 02 दिवसीय मुख्यमंत्री खाद्य प्रसंस्करण ग्राम स्वरोजगार योजना ग्राम पंचायत बेहटा गोकुल, वि० खण्ड बावन, का उदघाटन श्री अनुज कुमार ग्राम प्रधान के द्वारा किया गया। इस अवसर पर अपने सम्बोधन में उन्होंने मुख्यमत्री खाद्य प्रसंस्करण इकाई लगाने पर जोर दिया व लघु उद्योग जैसे– पापड, अचार, कचरी, मसाला, आटा चक्की, पास्ता, दलिया, सेवई आदि उद्योग लगाने पर प्रेरित किया। इस अवसर पर प्रभारी धीरेन्द्र कुमार फूड इसपेक्टर अजीत सिंह व व्रन्द्रावन बिहारी कषि वैज्ञानिक आदि ने इकाई लगाने के लिये प्रेरित किया । व स्वयं का स्वरोजगार लगाने के लिये कहा जिसमे खाद्य प्रसंस्करण से सम्बन्धित समस्त खाद्य सामग्री पर जानकारी दी साथ ही साथ रोजगार लगाने के लिये प्रेरित किया। प्रभारी राजकीय फल संरक्षण एवं प्रशिक्षण केन्द्र, प्रभारी धीरेन्द्र कुमार ने बताया की मा० मुख्यमंत्री जी की 02 दिवसीय मुख्यमंत्री खाद्य प्रसंस्करण योजना बहुत ही उत्कृष्ट योजना है इसमे कोई भी खाद्य प्रसंस्करण इकाई घरेलू स्तर से लगा कर अपना स्वयं का रोजगार कर सकते है जिसमें सरकार की तरफ से योजना लागत का 50 प्रतिशत मशीन व उपकरण मद में सहयोग प्रदान किया जाएगा इस अवसर पर शिव प्रकाश सिंह कषि विषेशग अन्य लोग मौजूद रहे।

संक्षिप्त खबरें

'जिलाधिकारी की अध्यक्षता में हुई गोवंश आश्रय स्थलों के सम्बन्ध में समीक्षा बैठक'

'रिपोर्ट–जनार्दन श्रीवास्तव'

'हरदोई' मंगलवार को विवेकानंद सभागार में जिलाधिकारी अनुनय झा की अध्यक्षता में गोवंश आश्रय स्थलों की स्थापना, क्रियान्वयन, संचालन व प्रबन्धन के अनुश्रवणार्थ गठित जिला स्तरीय समिति की बैठक हुई। जिलाधिकारी ने कहा कि गोशालाओं में सभी व्यवस्थाओं को सुचारु रखा जाये। सभी गोशालाओं में सीसीटीवी कैमरों की निर्बाध सक्रियता सुनिश्चित की जाये। नगरीय क्षेत्रों में आवारा पशुओं को पकड़ने के निर्देश दिये। हर ब्लाक में पशु चिकित्सा केन्द्र का उच्चीकरण किया जाये। प्रत्येक गोशाला में सीसी टीवी कैमरे अवश्य लगवाए जाएं। सहभागिता योजना के अंतर्गत भुगतान में अनावश्यक विलम्ब न किया जाये। गोवर्धन योजनान्तर्गत बावन ब्लाक में गोबर गैस प्लांट के सम्बन्ध में जानकारी ली, जिस पर मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी ने बताया कि गोबर गैस प्लांट से विकास खण्ड कार्यालय को विद्युत आपूर्ति की जा रही है। बैठक में कैटल कैचर, चारागाह व हरे चारे की सूचना भूसा तथा साइलेज क्रय हेतु टेण्डर की स्थिति तथा जनपद में निर्माणाधीन वृहद गौ संरक्षण केन्द्र कान्हा गौशाला की स्थिति के सम्बन्ध में विस्तार से जानकारी ली। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी सान्या छाबड़ा, अपर जिलाधिकारी वि0रा0 प्रियंका सिंह, मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी अशोक कुमार सिंह, प्रभारी जिला सूचना अधिकारी दिव्या निगम व अन्य सम्बंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

घरों में घुसा बाढ़ का पानी, छतों पर ली शरण

सीतापुर, (संवाददाता)। सरयू नदी के बाद अब शारदा नदी भी मुश्किलें बढ़ा रही है। शारदा नदी खतरे के निशान 135.49 मीटर से एक सेमी ऊपर बह रही है। खेतों और रास्तों के अलावा घरों के भीतर तक बाढ़ का पानी भर गया है। तखत व चारपाई पर दिन कट रहा है। जिनके घर पक्के हैं वे छतों पर शरण लिए हैं। शारदा नदी की बाढ़ से प्रभावित 21 गांवों के लोगों की समस्याएं कम होती नजर नहीं आ रही हैं। बाढ़ के पानी से घिरे 43 गांवों के लोगों की दिनचर्या भी प्रभावित है। जिला प्रशासन राहत व बचाव कार्य में जुटा है। गिरिजापुरी के तीनों बैराजों से रविवार को 3.75 लाख क्यूसेक पानी छोड़ा गया है। लहरपुर प्रतिनिधि के अनुसार शारदा की बेकाबू लहरों ने 64 गांवों को चपेट में ले रखा है। भदफर, रमुवापुर, मंझरी कारिंदा, तेजवापुर, सुंदर मझरी, पासिन मझरी, डिंगरी समेत 21 गांवों के अंदर पानी अब भी भरा है। भदफर के अखिलेश ने बताया कि उनके घर के सामने पानी भरा है। कहीं आना–जाना कठिन है। तेजवापुर के पंकज, द्वारिका व रामस्वरूप ने बताया कि घर में पानी भरा होने से रहने व खाने की समस्या हो रही है। छत पर तो कोई तखत पर चूल्हा रखकर खाना बनाता है। तीन दिन से पानी भरा होने के चलते संक्रामक रोग फैलने का डर भी सता रहा है। विक्रम, रामपाल, सोहन व शिवकुमार ने बताया कि फसलें जलमग्न हैं, इससे सड़ने का खतरा बढ़ गया है। फसल खराब होने पर भारी नुकसान उठाना पड़ सकता है। ग्रामीणों ने बताया कि दूरदराज के कई गांवों से संपर्क टूट जाने से राहत सामग्री नहीं भेजी जा पा रही है।

अगली पीढ़ी के लीडलेस पेसमेकर असामान्य हृदय ताल के इलाज में क्रांति ला रहे हैं

सिटी रिपोर्टर प्रत्यूष पाण्डेय

लखनऊ। आज हम देखते हैं कि हथेली के आकार की छोटी बैटरियां सबसे परिष्कृत गैजेट्स को शक्ति दे रही हैं। अब, कल्पना करें कि इससे भी छोटा एक उपकरण मानव हृदय को लगातार धड़कने के लिए शक्ति दे रहा है। यह अगली पीढ़ी की हृदय संबंधी तकनीक, एक लीडलेस पेसमेकर, अनियमित हृदय ताल या अतालता (ततीलजीउपें) को प्रबंधित करने के लिए डिजाइन की गई है। अतालता तब होती है जब हृदय बहुत तेज, बहुत धीमा या अनियमित रूप से धड़कता है। यदि इसका इलाज न किया जाए, तो यह मरीजों के लिए गंभीर जटिलताओं का कारण बन सकता है, यहाँ तक कि जानलेवा भी हो सकता है। एक सामान्य प्रकार ब्रैडीकार्डिया है, जिसमें शरीर की जरूरतों को पूरा करने के लिए हृदय बहुत धीरे धड़कता है। भारत, दक्षिण पूर्व एशिया, हांगकांग, ताइवान और कोरिया में एबॉट के कार्डियक रिदम मैनेजमेंट के महाप्रबंधक अजय सिंह चौहान ने कहा, ष्लीडलेस पेसमेकर को चिकित्सकों के लिए इम्प्लांटेशन (प्रत्यारोपण) और निकालने को यथासंभव सहज बनाने के लिए विकसित किया गया है, साथ ही मौजूदा तकनीकों की तुलना में महत्वपूर्ण सुधार भी किए गए हैं।ष उन्होंने कहा, ष्यह वास्तव में मरीजों के लिए जीवन बदलने वाला है, जो उनकी हृदय ताल संबंधी समस्याओं को प्रबंधित करने के लिए नए रास्ते खोल रहा है।ष नवीनतम पीढ़ी के लीडलेस पेसमेकर इस स्थिति को प्रभावी ढंग से और कुशलता से प्रबंधित करने में मदद करते हैं। ये पेसमेकर छोटे, न्यूनतम आक्रामक और निकालने योग्य होते हैं। पेसमेकर एक चिकित्सा उपकरण है जो दिल की धड़कन को नियंत्रित करने में मदद करता है। पारंपरिक पेसमेकर व्यक्ति की त्वचा के ठीक नीचे कॉलरबोन के पास लगाए जाते हैं और तारों (जिन्हें लीड कहते हैं) से दिल से जुड़े होते हैं। ये तार हृदय को सामान्य दर पर धड़कने में मदद करने के लिए विद्युत संकेत देते हैं, जिससे सीने में दर्द, थकान, घबराहट और बेचैनी जैसे लक्षणों से राहत मिलती है। अत्याधुनिक तकनीक को समझना जबकि तकनीक ने पेसमेकर को छोटा और आकर्षक बना दिया है, इसने पारंपरिक प्रणालियों की गंभीर सीमाओं को भी दूर करने में मदद की है जैसे कि छाती की पॉकेट और तारों का खत्म होना, जहाँ संक्रमण, तार का विस्थापन और फ्रैक्चर हो सकता है। ये समस्याएँ गंभीर हृदय संबंधी समस्याओं को जन्म दे सकती हैं और अक्सर सर्जिकल हस्तक्षेप की आवश्यकता होती है। नई प्रगति इन कमियों को दूर करने में मदद करती है, क्योंकि हृदय संबंधी नवाचारों ने अत्याधुनिक लीडलेस पेसमेकर को संभव बना दिया है। अपोलो हॉस्पिटल लखनऊ में सीनियर कंसलटेंट और इंटरवेंशनल कार्डियोलॉजी के प्रमुख डॉ. अजय बहादुर ने कहा, "हर साल, हजारों मरीजों को पेसमेकर प्रत्यारोपण की आवश्यकता होती है। इस सर्जरी में कुछ संभावित जटिलताएँ, या दिखाई देने वाले निशान भी शामिल होते हैं।ष ष्लीडलेस पेसमेकर हृदय देखभाल में एक महत्वपूर्ण प्रगति का प्रतिनिधित्व करते हैं। वे न्यूनतम आक्रामक, कॉस्मेटिक रूप से अदृश्य हैं, और प्रक्रिया के बाद की जटिलताओं को काफी कम करते हैं। यह तकनीक अधिक प्राकृतिक दिल की धड़कन का समर्थन करती है, जिससे मरीजों के परिणामों को बेहतर बनाने में मदद मिलती है। यह संक्रमण और लीड–संबंधी समस्याओं की संभावना को भी कम करता है, और पुनः हस्तक्षेप की आवश्यकता को कम करता है। सटीक स्थान और चिकित्सा लचीलेपन के लिए डिजाइन किए गए, कुछ लीडलेस पेसमेकर प्रत्येक मरीज के लिए अनुकूलित समाधान प्रदान करते हैं। जबकि पारंपरिक पेसमेकर के लिए छाती में चीरा लगाने की आवश्यकता होती है, लीडलेस पेसमेकर एक कैथेटर (ट्यूब) का उपयोग करके हृदय में डाले जाते हैं। नई पीढ़ी के पेसमेकर को फिक्सेशन से पहले विद्युत मानचित्रण प्रदान करने के लिए डिजाइन किया गया है, इस प्रकार सर्जन को मरीज की शारीरिक रचना की स्पष्ट तस्वीर मिलती है जो उन्हें सटीकता के साथ उपकरण को प्रत्यारोपित करने में सक्षम बनाती है। कैथेटर डालने के दौरान, पेसमेकर एक सुरक्षात्मक आवरण से ढका होता है जो रक्त वाहिकाओं के माध्यम से नेविगेशन को आसान बनाता है और चोट के जोखिम को कम करता है।

सबसे बड़ा लाभ यह है कि मरीजों के ठीक होने का समय काफी कम हो जाता है। वे कम प्रतिबंधों के साथ घर लौट सकते हैं और अपनी दैनिक दिनचर्या फिर से शुरू कर सकते हैं। पेसमेकर हृदय का एक हिस्सा बन जाता है क्योंकि यह कोई दिखाई देने वाले निशान या उभार नहीं छोड़ता है। अपोलो हॉस्पिटल लखनऊ में सीनियर कंसलटेंट और इंटरवेंशनल कार्डियोलॉजी के प्रमुख डॉ. अजय बहादुर आगे बताते हैं, "न्यूनतम आक्रामक प्रक्रिया के माध्यम से पेसमेकर लगाने की क्षमता का मतलब है कि मरीजों के लिए अस्पताल में कम समय रहना और जल्दी ठीक होना। भारत में, यह तकनीक एक सफलता है, खासकर टियर 2 और टियर 3 शहरों में जहाँ फॉलो–अप देखभाल तक पहुँच सीमित हो सकती है। पारंपरिक प्रणालियों की कुछ जटिलताओं को दूर करके, लीडलेस पेसमेकर सुरक्षा और सुविधा दोनों प्रदान करते हैं, जो हमारे स्वास्थ्य सेवा पारिस्थितिकी तंत्र की बढ़ती जरूरतों के साथ पूरी तरह से मेल खाता है।

वाईबीएल ट्रायल्स में आयेंगी एक्टर गीतांजलि मिश्रा

लखनऊ (प्रत्यूष पाण्डेय)। स्पोर्ट्स और ग्लैमर की दुनिया को एक साथ लाकर भारतीय बैडमिंटन को एक नई ऊंचाई देने की दिशा में युवा बैडमिंटन लीग (वाईबीएल) ने महत्वपूर्ण कदम बढ़ाया है। मशहूर एक्टर गीतांजलि मिश्रा बुधवार 10 सितंबर को एमआर जयपुरिया स्कूल लखनऊ आयेंगी। युवा बैडमिंटन लीग के ट्रायल्स के लिए लखनऊ आ रहीं एक्ट्रेस और टीम नेट निंजास की टीम ओनर मशहूर टीवी एक्टर गीतांजलि मिश्रा ने कहा ''मेरे लिए भी यह नई शुरुआत है। बैडमिंटन को वह मुकाम नहीं मिला जो क्रिकेट को मिला है। भारत में बैडमिंटन के परिदृश्य को यह लीग बदलने के लिए तैयार है। मनोरंजन और एथलेटिक्स एक साथ आये हैं, तो अब यह लीग एक महत्वपूर्ण बदलाव लाने के लिए पूरी तरह से तैयार है, यह साबित करते हुए कि खेल वास्तव में प्रेरित करने, एकजुट करने और जीवन बदलने की शक्ति रखते हैं। इधर, युवा बैडमिंटन लीग के लीग कमिश्नर हरभजन सिंह ने कहा– ''मुझे वाईबीएल के लीग कमिश्नर की जिम्मेदारी निभाने का गर्व है। भारत में बैडमिंटन की अपार संभावनाएं हैं और यह लीग भारतीय खेल जगत में एक बड़ा बदलाव लाने जा रही है।

सरदार मोहन सिंह छाबड़ा स्मृति सम्मान से हुए पांच शिक्षक सम्मानित

अयोध्या ।मंगलवार को रंगारंग कार्यक्रम के बीच गुरु नानक अकादमी के श्री गुरु गोबिंद सिंह सभागार में सरदार मोहन सिंह छाबड़ा स्मृति सम्मान पांच शिक्षकों को सम्मानित किया गया ।कार्यक्रम की अध्यक्षता धर्मवीर सिंह बग्गा एवं मुख्य अतिथि के रूप मे जिला पंचायत अध्यक्ष रोली सिंह व अध्यक्ष प्रतिनिधि आलोक कुमार सिंह रोहित मौजूद रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि के रूप में आई जिला पंचायत अध्यक्ष को रोली सिंह, जिला पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि आलोक सिंह रोहित, राजेंद्र सिंह छाबड़ा, कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे धर्मवीर सिंह बग्गा,प्रीतिपाल सिंह पाली सहित अन्य अतिथियों व शिक्षकों ने ज्ञान की देवी सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण व दीप प्रज्वलित कर किया ।तत्पश्चात कॉलेज के छात्राओं ने सरस्वती गीत, स्वागत गीत सहित एक से बढ़कर एक आकर्षक रंगारंग कार्यक्रम प्रस्तुत कर उपस्थित लोगों का मन मोह लिया। अपने संबोधन में मुख्य अतिथि के रूप में आई जिला पंचायत अध्यक्ष रोली सिंह ने कहा कि शिक्षक राष्ट्र निर्माता होता है ।एक शिक्षक ही किसी अबोध बालक को अपने व्यवहार व आचरण के साथ राष्ट्र का निर्माता बनता है ।उन्होंने कहा कि शिक्षण कार्य करना आसान नहीं होता है। इसलिए शिक्षक होना स्वाभिमान की बात है। किसी कड़ी में जिला पंचायत अध्यक्ष आलोक सिंह रोहित ने कहा कि राष्ट्र का भविष्य शिक्षकों के कंधों पर टिका हुआ है क्योंकि शिक्षक ही चाहे छोटे बच्चे हो या बड़े सही मार्ग दिखाता है। इस मौके पर शिक्षण कार्य करने वालों में मुख्य अतीत के रूप में ए जिला पंचायत अध्यक्ष तथा उनके साथ–साथ जिला पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि प्रदान कर उनका सम्मान किया सम्मानित होने वाले शिक्षकों में

आईबी पाण्डेय, विश्वनाथ सिंह,भीम सिंह,कुसुमलता, श्रीमती कंचन वेत्ता प्रमुख रही।

सान्ध्य हिन्दी दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी में. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक
श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव
मो0 – 7007415808, 9415034002
Email - deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से संबधित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायालय होगा।